सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार
" जीवन की सुगंध का आनंद तो वही ले सकता है, जो खिलने और बिखरने वाले पलों के बीच महकने की काबिलियत रखता है...!! "
अज्ञात...

वर्ष–01 अंक–114 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, गुरुवार 14 मई 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए

हेरिटेज इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल के 12वीं के छात्रों ने लहराया सफलता का परचम

विज्ञान में श्रेया राय ने 98% के साथ किया टॉप, वाणिज्य में लक्ष्य देवांगन को 96%

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई-दुर्ग

हेरिटेज इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल, दुर्ग के कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों ने बोर्ड परीक्षा में शानदार प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। विज्ञान और वाणिज्य संकाय के छात्रों ने उत्कृष्ट अंक हासिल किए हैं।

विज्ञान संकाय के टॉपर्स

विज्ञान संकाय में श्रेया राय ने 98% अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया। अपिर्ता चंद्राकर ने 96%, निशिता सिंह ने 95%, अभय देवांगन ने 93%, रौनक अग्रवाल ने 92% और लकी शुक्ला ने 91% अंक प्राप्त किए।

वाणिज्य संकाय में भी बेहतर प्रदर्शन

वाणिज्य संकाय में लक्ष्य देवांगन ने 96% अंक लेकर सफलता अर्जित की। कनिष्का शर्मा ने 90% अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया।

प्रबंधन ने दी बधाई

विद्यालय प्रबंधन ने सभी सफल विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों को बधाई दी है। डायरेक्टर इंफ्रास्ट्रक्चर बृजमोहन उपाध्याय, डायरेक्टर ऑपरेशंस मनीष तिवारी, जॉइंट सेक्रेटरी उमाकांत मिश्रा और डायरेक्टर एकेडमिक्स/प्राचार्या दीप्ति तिवारी ने छात्रों के उज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि यह सफलता निरंतर परिश्रम, अनुशासन और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का परिणाम है।

विद्यालय परिवार ने भरोसा जताया कि आने वाले वर्षों में भी छात्र-छात्राएं इसी तरह उत्कृष्ट प्रदर्शन कर संस्था को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे।

सीबीएसई 12वीं बोर्ड परीक्षा में सफल विद्यार्थियों को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने दी बधाई

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सीबीएसई 12वीं बोर्ड परीक्षा में सफलता प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह उपलब्धि विद्यार्थियों की मेहनत, अनुशासन, समर्पण और निरंतर प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों ने अपने परिश्रम, लगन और आत्मविश्वास के बल पर सफलता की नई मिसाल प्रस्तुत की है, जो अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि शिक्षा केवल परीक्षा में अंक प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण, नवाचार और राष्ट्र निर्माण की मजबूत आधारशिला है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रदेश के विद्यार्थी आने वाले समय में शिक्षा, विज्ञान, तकनीक, खेल, कला, अनुसंधान और विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर छत्तीसगढ़ तथा देश का नाम राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित करेंगे। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर अभिभावकों और शिक्षकों की भूमिका को भी अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि विद्यार्थियों की सफलता के पीछे माता-पिता का त्याग, शिक्षकों का मार्गदर्शन और निरंतर प्रेरणा एक मजबूत शक्ति के रूप में कार्य करती है। कठिन परिस्थितियों में भी बच्चों को आगे बढ़ाने के लिए उनका समर्पण सराहनीय है। मुख्यमंत्री श्री साय ने सभी विद्यार्थियों से जीवन में निरंतर सीखने, सकारात्मक सोच बनाए रखने और अपने लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्ध रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सफलता का वास्तविक अर्थ केवल परीक्षा परिणाम नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदार नागरिक बनना भी है। मुख्यमंत्री श्री साय ने सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल, सफल और प्रेरणादायी भविष्य की मंगलकामनाएं देते हुए कहा कि राज्य सरकार युवाओं के बेहतर भविष्य, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

21 लाख की ठगी मामले में एफआईआर के बाद समझौता, पुलिस पर उठे सवाल

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

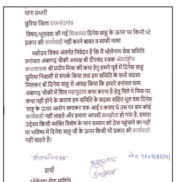

थाना प्रभारी
छुरिया जिला राजनांदगांव
विषय/भूलवश की गई शिकायत दिनेश साहू के ऊपर पर किसी भी प्रकार की कार्यवाही नहीं करने बाबत व माफी नामा
महोदय विषय अंतर्गत निवेदन है कि मैं भोलेनाथ सेवा समिति वनांचल अंबागढ़ चौकी अध्यक्ष श्री दीपचंद रजक अंतर्राष्ट्रीय कथावाचक श्री प्रदीप मिश्रा की कथा हेतु हमने पूर्व में दिनेश साहू छुरिया निवासी से संपर्क किया तथा हम समिति के सभी सदस्य मिलकर श्री दिनेश साहू से आग्रह किया कि हमारे वनांचल ग्राम अंबागढ़ चौकी में शिव महापुराण कथा करना है हेतु मिले थे जिस पर कथा नहीं होने के कारण हम समिति के सदस्य सहित भूल वश दिनेश साहू के ऊपर आरोप लगाकर एफ आई र कराए थे उस पर हम कोई कार्यवाही नहीं चाहते और हमारा आपसी समझौता हो गया है, हमारा उद्देश्य किसी व्यक्ति विशेष के मान सम्मान को ठेस पहुंचाने का नहीं था भविष्य में दिनेश साहू जी के ऊपर किसी भी प्रकार की कार्यवाही नहीं चाहते है।
प्रार्थी
भोलेनाथ सेवा समिति

अंबागढ़ चौकी में पंडित प्रदीप मिश्रा की कथा के नाम पर 21 लाख रुपये की ठगी के मामले में नया मोड़ आ गया है। भोलेनाथ सेवा समिति ने छुरिया थाने में आवेदन देकर कहा है कि आरोपी दिनेश साहू के खिलाफ एफआईआर "भूलवश" दर्ज हो गई और वे अब कार्रवाई नहीं चाहते। समिति ने आपसी समझौते का हवाला देकर मामला वापस लेने की अपील की है। इसके बाद पुलिस की भूमिका और कानूनी प्रक्रिया पर सवाल उठ रहे हैं।

किन दस्तावेजों पर लगी धारा 420: भारतीय न्याय संहिता की धारा 420 के तहत धोखाधड़ी तभी साबित होती है जब छल-कपट से राशि हड़पने की मंशा स्पष्ट हो। सवाल उठ रहा है कि पुलिस ने यह धारा किन दस्तावेजों के आधार पर लगाई। क्या लिखित अनुबंध, रसीद, व्हाट्सएप संदेश या बैंक ट्रांजेक्शन जैसे सबूत थे? क्या कोई लिखित गारंटी थी कि दिनेश साहू कथा करवाएंगे?

आरोपी का दावा: बयान लिए बिना दर्ज हुई एफआईआर: सूत्रों के मुताबिक आरोपी दिनेश साहू का कहना है कि एफआईआर से पहले न पूछताछ हुई, न नोटिस दिया गया। उस समय वे घर पर थे और परिवार में किसी की मृत्यु हुई थी। साहू का दावा है कि 21 लाख रुपये उन्होंने नहीं रखे, बल्कि शिकायतकर्ताओं के दबाव में पंडित प्रदीप मिश्रा की आयोजक टीम को पार्ट पेमेंट के रूप में भेजे थे।

समझौते से बंद नहीं हो सकता केस: कानूनी जानकारों के अनुसार धारा 420 Non-Bailable और Non-Compoundable अपराध है। Non-Bailable होने से जमानत का अधिकार स्वतः नहीं मिलता। Non-Compoundable होने से शिकायतकर्ता और आरोपी समझौता कर केस बंद नहीं कर सकते। एफआईआर दर्ज होने के बाद राज्य सरकार पक्षकार बन जाती है। पुलिस को विवेचना पूरी कर चालान कोर्ट में पेश करना होता है।

पुलिस को कोर्ट में पेश करना होगा चालान: BNSS की धारा 193 के तहत पुलिस को विवेचना पूरी कर चालान या क्लोजर रिपोर्ट न्यायालय में पेश करना अनिवार्य है। बिना कोर्ट की अनुमति केस दबाना कर्तव्य की उपेक्षा होगी। न्यायालय समझौते को संज्ञान ले सकता है, लेकिन दंड माफी का अधिकार सिर्फ कोर्ट को है।

यह मामला अब सिर्फ 21 लाख की ठगी का नहीं रहा। सवाल यह है कि क्या Non-Compoundable अपराध में समझौते की आड़ में कानूनी प्रक्रिया रोकी जा सकती है। आरोप है कि नेताओं के दबाव में एफआईआर दर्ज हुई थी। अब पुलिस की जिम्मेदारी है कि दोनों पक्षों के बयान, दस्तावेज और वित्तीय लेनदेन की जांच कर मामला न्यायालय में पेश करे।

जांजगीर-चांपा : एक ही परिवार के चार लोगों की टांगी मार कर हत्या, गांव में पसरा मातम

रात में सोते समय हुआ हमला, पुलिस जांच में जुटी, पिता-पुत्र हिरासत में

नई दृष्टिबिंदु / जांजगीर-चांपा

जांजगीर-चांपा जिले के शिवरीनारायण थाना क्षेत्र के ग्राम भंवतरा में बुधवार रात अज्ञात हमलावरों ने एक ही परिवार के चार लोगों की धारदार हथियार से हत्या कर दी। मृतकों में बुजुर्ग दंपती, उनकी नातिन और नाती शामिल हैं। वारदात के बाद गांव में दहशत का माहौल है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार संदेही पारिवारिक रिश्तेदार ही है। एक संदेही हत्या के मामले में सजायाफ्ता रहा है। पारिवारिक रंजिश के साथ संपत्ति विवाद के एंगल से पुलिस जांच कर रही है। सूत्रों ने बताया कि पिता-पुत्र को पुलिस ने हिरासत में लिया है।

खाट पर मिले शव

मृतकों की पहचान मेदनी प्रसाद कश्यप (70), पत्नी कांती बाई (65), नातिन मोगरा (25) और नाती पीतांबर (17) के रूप में हुई है। चारों एक ही घर में रहते थे। पुलिस के मुताबिक परिवार रात में खाना खाकर सोया था। इसी दौरान अज्ञात हमलावर घर में घुसे और टांगी समेत अन्य धारदार हथियारों से हमला कर दिया। चारों की मौके पर ही मौत हो गई।

सुबह ग्रामीणों को चला पता

घटना का खुलासा गुरुवार सुबह हुआ, जब घर में कोई हलचल नहीं दिखी। ग्रामीणों ने अंदर जाकर देखा तो शव पड़े मिले। सूचना पर सरपंच और पुलिस मौके पर पहुंची।

पुरानी रंजिश की आशंका

ग्रामीणों ने बताया कि मृतक मेदनी प्रसाद के बेटे सोनसाय कश्यप की 16-17 साल पहले हत्या हो चुकी थी। अब परिवार के चार सदस्यों की हत्या से पुरानी रंजिश की आशंका जताई जा रही है। पुलिस पारिवारिक विवाद समेत सभी पहलुओं पर जांच कर रही है।

फॉरेंसिक टीम व डॉग स्क्वॉड मौके पर

घटना की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वॉड को बुलाया गया। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है। फिलहाल हत्या के कारणों और आरोपियों के बारे में कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और जांच जारी है।

आकाशीय बिजली गिरने से 18 वर्षीय किशोर की मौत

भिलाई। जिले के पुरैना क्षेत्र से एक दर्दनाक हादसे की खबर सामने आई है, जहां आकाशीय बिजली गिरने से 18 वर्षीय किशोर की मौत हो गई। घटना के बाद पूरे इलाके में शोक का माहौल है, वहीं स्थानीय लोगों में दहशत भी देखी जा रही है। जानकारी के अनुसार, स्टोर पारा पुरैना निवासी शक्ति बिश्नोई अपने घर के पास हाईटेंशन लाइन के नीचे खेल रहा था, तभी अचानक मौसम खराब हुआ और आकाशीय बिजली गिर गई। इस घटना में वह गंभीर रूप से झुलस गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। मृतक 12वीं कक्षा का छात्र था और अपने परिवार का इकलौता पुत्र था। उसकी मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। मौत घटना की सूचना मिलते ही पुरानी भिलाई थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कार्रवाई की। शव को सुपेला स्थित मोचर्री में रखवाया गया है। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। मौसम विभाग के अनुसार बंगाल की खाड़ी में बने साइक्लोनिक सर्कुलेशन के कारण प्रदेश में मौसम तेजी से बदल रहा है। आने वाले दिनों में कई जिलों में गरज-चमक के साथ तेज बारिश और आंधी-तूफान की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने आकाशीय बिजली गिरने की आशंका को देखते हुए लोगों से सतर्क रहने और सुरक्षित स्थानों पर रहने की अपील की है।

जुनवानी भूमि धोखाधड़ी : केतन शाह व संगीता शाह की अग्रिम जमानत खारिज

हाई कोर्ट पहुंचे आरोपी, अग्रिम जमानत निरस्त होने के बाद भी गिरफ्तारी नहीं, पुलिस की कार्रवाई पर उठे कई सवाल

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जुनवानी भूमि धोखाधड़ी प्रकरण में सिंपलेक्स कास्टिंग्स लिमिटेड के संचालक केतन शाह और संगीता केतन शाह की अग्रिम जमानत याचिका अष्टम अपर सत्र न्यायाधीश पीएस मरकाम की अदालत ने खारिज कर दी है। न्यायालय ने प्रथम दृष्टया मामले को गंभीर मानते हुए आरोपियों को आदतन अपराधी बताया है।

एफआईआर रद्द कराने हाई कोर्ट पहुंचे आरोपी

अग्रिम जमानत खारिज होने के बाद आरोपी केतन शाह और संगीता शाह ने थाना सुपेला में दर्ज एफआईआर को निरस्त कराने के लिए उच्च न्यायालय में याचिका दायर की है।

न्यायालय के आदेश पर दर्ज हुआ था केस

शिकायतकर्ता सुनील कुमार सोमन की शिकायत पर लंबे समय बाद न्यायालय के हस्तक्षेप से थाना सुपेला में धारा 406, 420, 468, 471, 34 भादवि के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया था। आरोप है कि एग्रीमेंट और भुगतान के बावजूद विवादित भूमि की रजिस्ट्री नहीं की गई। शिकायत के मुताबिक तथ्यों को छुपाकर आर्थिक धोखाधड़ी की गई और एक ही संपत्ति पर वित्तीय संस्था से ऋण लेकर 4,60,000 रुपये की धोखाधड़ी कर दोहरी आर्थिक गतिविधियां की गईं।

पहले भी दर्ज है धोखाधड़ी का केस

सुनवाई के दौरान प्रार्थी पक्ष के अधिवक्ता अभिषेक दास वैष्णव ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ थाना पुलगांव में अपराध क्रमांक 109/2025, धारा 420 के आईपीसी तहत पहले भी केस दर्ज है। उस मामले में चीफ जस्टिस रमेश सिंहा ने अग्रिम जमानत देते समय भविष्य में ऐसे अपराध में शामिल न होने की शर्त लगाई थी।

गिरफ्तारी न होने पर सवाल

अग्रिम जमानत निरस्त होने के बावजूद अब तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई है। पुलिस ने विशेष टीम गठित करने की बात कही थी, लेकिन ठोस कार्रवाई सामने नहीं आई है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि आरोपी प्रभावशाली, आर्थिक रूप से सक्षम और सामाजिक-राजनीतिक पहुंच रखने वाले हैं। घटना के बाद से आरोपी फरार हैं।

निष्पक्ष जांच की मांग

शिकायतकर्ता ने आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी, निष्पक्ष जांच, वरिष्ठ स्तर पर निगरानी और पीड़ित को सुरक्षा देने की मांग की है। सवाल उठ रहे हैं कि यदि यह मामला किसी सामान्य व्यक्ति से जुड़ा होता तो क्या अब तक गिरफ्तारी हो चुकी होती?

रायगढ़ पुलिस ने तोड़ा ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा सिंडिकेट, 1.03 करोड़ नकद जब्त

नई दृष्टिबिंदु / रायगढ़

रायगढ़ पुलिस ने ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा और हवाला के जरिए ब्लैक मनी को व्हाइट करने वाले संगठित गिरोह का पर्दाफाश किया है। कार्रवाई में 1 करोड़ 2 लाख 81 हजार 300 रुपये नकद, नोट गिनने की मशीन, 4 मोबाइल और वित्तीय लेनदेन के अहम दस्तावेज जब्त किए गए। पुलिस ने मुख्य आरोपी करन चौधरी समेत पुष्कर अग्रवाल और सुनील अग्रवाल को गिरफ्तार किया है।

आईपीएल सट्टे से जुड़ा था नेटवर्क

26 अप्रैल को साइबर सेल, कोतवाली और घरघोड़ा पुलिस की संयुक्त टीम ने रायगढ़ और घरघोड़ा में दबिश देकर सोनू देवांगन, हर्षित देवांगन, भरत गोयल, गौतम भोजवानी, लक्ष्मीनारायण सिदार और सागर गुप्ता को पकड़ा था। इनके पास से मोबाइल, 15,490 रुपये नकद और डिजिटल ट्रांजेक्शन रिकॉर्ड मिले थे। पूछताछ में आरोपियों ने खाईवाल करन चौधरी और जसमीत सिंह बग्गा उर्फ गुड्डा सरदार के इशारे पर नेटवर्क चलाने की बात कबूली।

कृष्ण प्राइड टावर में छापा, 1.02 करोड़ नकद बरामद

जांच में सामने आया कि करन चौधरी रायगढ़, सक्ती, रायपुर, बिलासपुर से दिल्ली तक सट्टा नेटवर्क चला रहा था। सट्टे की रकम पेट्रोल पंप, मेडिकल स्टोर और कारोबारियों के जरिए हवाला से ट्रांसफर की जाती थी। पुलिस ने कृष्ण प्राइड टावर स्थित फ्लैट में छापा मारा। सुनील अग्रवाल के पास से 50 लाख रुपये नकद, नोट गिनने की मशीन और मोबाइल मिला। पुष्कर अग्रवाल से 52.60 लाख रुपये नकद और दो मोबाइल जब्त हुए। करन चौधरी से भी नकदी और मोबाइल बरामद हुआ। कुल जब्ती 1 करोड़ 3 लाख 86 हजार 300 रुपये की है।

कर्मचारियों के खातों से होता था लेनदेन

पुलिस के मुताबिक आरोपी अपने बैंक खातों का इस्तेमाल नहीं करते थे। कमर्चारियों और परिचितों के खातों व मोबाइल नंबरों से लेनदेन कर जांच एजेंसियों से बचते थे। इलेक्ट्रॉनिक डाटा, चैट रिकॉर्ड और यूपीआई लेनदेन से संगठित आर्थिक अपराध की पुष्टि हुई।

करन चौधरी का आपराधिक रिकॉर्ड

मुख्य आरोपी करन चौधरी उर्फ करन अग्रवाल के खिलाफ कोतवाली और चक्रधरनगर थाने में जुआ-सट्टा के 4 केस दर्ज हैं। उस पर मारपीट, रंगदारी, आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरित करने, अपहरण के केस भी हैं। आदतन बदमाश होने पर धारा 110 CrPC और 107,116(3) CrPC के तहत कार्रवाई हो चुकी है।

संगठित अपराध की धारा जोड़ी गई

आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 111 (संगठित अपराध) भी जोड़ी गई है। तीनों को न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। फरार आरोपी जसमीत सिंह बग्गा उर्फ गुड्डा सरदार की तलाश जारी है। पुलिस के अनुसार गुड्डा सरदार सक्ती, खरसिया, रायगढ़ और रायपुर में ऑनलाइन जुआ खिलाता था।

एसएसपी का सख्त संदेश

एसएसपी शशि मोहन सिंह ने कहा कि सट्टा, हवाला, ब्लैक मनी और संगठित अपराध से जुड़े किसी भी नेटवर्क को बख्शा नहीं जाएगा। जिले में आर्थिक अपराध के लिए कोई जगह नहीं है। एडिशनल एसपी अनिल सोनी, सीएसपी मयंम मिश्रा और डीएसपी साइबर उन्नति ठाकुर के मार्गदर्शन में साइबर थाना प्रभारी विजय चेलक पूरे नेटवर्क के लिंक खंगाल रहे हैं।

गिरफ्तार आरोपी में करन चौधरी उर्फ करन अग्रवाल, 29 साल, निवासी श्याम नगर ढिमरापुर चौक, रायगढ़, पुष्कर अग्रवाल, 26 साल, निवासी फ्लैट नं 505 कृष्ण प्राइड टावर, रायगढ़ और सुनील कुमार अग्रवाल, 58 साल, निवासी फ्लैट नं 505 कृष्ण प्राइड टावर, रायगढ़ शामिल हैं।

अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस : अरुण वोरा ने नर्सों को दी शुभकामनाएं, आईपी मिश्रा का किया सम्मान

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई-दुर्ग

प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व विधायक अरुण वोरा ने अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस के अवसर पर शंकराचार्य अस्पताल पहुंचकर नर्सों को शुभकामनाएं दीं तथा उनके सेवा भाव, समर्पण और मानवता के प्रति योगदान की सराहना की। इस दौरान उन्होंने कहा कि नर्सें स्वास्थ्य व्यवस्था की मजबूत आधारशिला हैं, जो दिन-रात मरीजों की सेवा में समर्पित रहकर उन्हें नया जीवन देने का कार्य करती हैं। उनका धैर्य, संवेदनशीलता और अथक परिश्रम समाज के लिए प्रेरणादायी है।

कार्यक्रम के दौरान अरुण वोरा ने शंकराचार्य अस्पताल एवं कॉलेज के संस्थापक आईपी मिश्रा का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत एवं सम्मान किया। उन्होंने स्वास्थ्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान की सराहना करते हुए कहा कि शंकराचार्य संस्थान लगातार जनसेवा के कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। अरुण वोरा ने सभी नर्सों के उज्ज्वल भविष्य, उत्तम स्वास्थ्य एवं सुखमय जीवन की कामना करते हुए कहा कि समाज हमेशा उनके समर्पण और सेवा भावना का ऋणी रहेगा।

शिव जी अर्पण सेवा समिति ने लाल बहादुर शासकीय अस्पताल में किया आयोजन

अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस के अवसर पर शिव जी अर्पण सेवा समिति, भिलाई नगर ने सुपेला स्थित लाल बहादुर शासकीय अस्पताल में सम्मान समारोह आयोजित किया। कार्यक्रम में मानवता की सेवा में समर्पित नर्सों को सम्मानित किया गया।

समिति के अध्यक्ष रोहन मून के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में नर्सों को पुष्प और सम्मान पत्र भेंट किए गए। रोहन मून ने कहा कि नर्से स्वास्थ्य सेवा की मजबूत आधारशिला हैं। वे दिन-रात मरीजों की सेवा में तत्पर रहती हैं। उनका योगदान समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। समिति सदस्यों ने नर्सों के सेवा भाव और समर्पण की सराहना की। सभी ने नर्सों के उज्ज्वल भविष्य और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। इस मौके पर समिति के सदस्य विनय, राहुल, सुरेंद्र, कैलाश, पुष्पराज, मयंक, सीमा, सुहानी, रोमा, हेमा, हेमलता और अस्पताल स्टाफ मौजूद रहे।

खास खबर

प्रभारी सचिव बोरा ने किया पीएम श्री सेजस विद्यालय कुम्हारी का निरीक्षण

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग-भिलाई

प्रमुख सचिव आदिम जाति विकास विभाग और दुर्ग के प्रभारी सचिव सोनमणि बोरा ने कलेक्टर अभिजीत सिंह के साथ सोमवार को पीएम श्री सेजस विद्यालय कुम्हारी का निरीक्षण किया। उन्होंने लाइब्रेरी, विज्ञान प्रयोगशाला, अटल लैब, स्पोर्ट्स रूम और सभी कक्षाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान प्रभारी सचिव ने प्राथमिक विभाग में जादुई पिटारा गतिविधियों और मिडिल विभाग में स्मार्ट क्लास के जरिए हो रहे शिक्षण कार्य को देखा। उन्होंने विद्यार्थियों से संवाद किया और लक्ष्य बनाकर पढ़ने की प्रेरणा दी। पूछने पर टॉपर विद्यार्थियों ने सीए, साइबर इंजीनियर और कलेक्टर बनने की इच्छा जताई।

22 टॉपर पुरस्कृत

प्रभारी सचिव ने विद्यालय के उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम और उपलब्धियों की सराहना की। उन्होंने सभी कक्षाओं के 22 टॉपर विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया। कक्षा 12वीं की छात्रा रिया साहू ने राज्य स्तर पर चौथा स्थान हासिल किया। कक्षा 10वीं की साक्षी देवांगन ने जिले में आठवां स्थान पाया। कक्षा 8वीं में पायल रजानी और नैतिक आमटे ने संकुल स्तर पर पहला और दूसरा स्थान पाया। कक्षा 5वीं में शिवानी पटेला पहले स्थान पर रही जबकि भव्या साहू और रूपाली साहू ने दूसरा स्थान पाया।

अधिकारियों ने शिक्षकों के प्रयासों की प्रशंसा की और विद्यालय की शैक्षणिक व सह-शैक्षणिक गतिविधियों को सराहनीय बताया। निरीक्षण के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी अरविंद मिश्रा, जिला मिशन समन्वयक विनोद सिन्हा, सहायक परियोजना समन्वयक डॉ. शशि भूषण शर्मा, विकासखंड शिक्षा अधिकारी धमधा अथर्व शर्मा, सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी कैलाश साहू, एसडीएम और सीएमओ कुम्हारी नेतराम चंद्राकर मौजूद रहे।

21 दिवसीय ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर शुरू, 8 खेलों के लिए 14 केंद्र, सब-जूनियर और जूनियर खिलाड़ी ले सकेंगे निशुल्क प्रशिक्षण

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देश पर जिला खेल एवं युवा कल्याण विभाग ने बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए 21 दिवसीय ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर शुरू किया है। यह शिविर 11 मई से शुरू होकर 31 मई तक चलेगा। विभाग ने बताया कि शिविर पूरी तरह निशुल्क है।

सब-जूनियर और जूनियर वर्ग के बालक-बालिकाएं इसमें हिस्सा ले सकते हैं। प्रशिक्षण रोज सुबह 5:30 से 7:30 बजे और शाम 5:30 से 7:30 बजे तक होगा। मौसम और गर्मी के हिसाब से प्रशिक्षक समय बदल सकते हैं। पंजीयन के लिए खिलाड़ी को संबंधित मैदान पर एक पासपोर्ट साइज फोटो और पालक की सहमति के साथ पहुंचना होगा। विभाग निशुल्क खेल सामग्री भी देगा।

जिले के 14 केंद्रों में अलग-अलग मैदानों पर 8 खेलों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जिसमें हॉकीः समृद्धि बाजार के पास, दुर्ग। खो-खोः नेशनल स्कूल मैदान दुर्ग, शाउमाशा पुरई और शाउमाशा धौराभाठा। फुटबॉलः रविशंकर स्टेडियम, साइंस कॉलेज मैदान, सुराना कॉलेज मैदान और हाउसिंग बोर्ड भिलाई। - कबड्डीः शाउमाशा मर्रा (पाटन) और बैगापारा स्टेडियम। एथलेटिक्सः खेल मैदान खम्हरिया। नेटबॉलः एनसीआरटी स्कूल सेक्टर-06। ताईक्वांडोः जेपी नगर कैंप-2 भिलाई और कुडोः प्राथ शाला कसारीडीह में होगा। जिला प्रशासन ने अधिक से अधिक बच्चों से इस निशुल्क शिविर का लाभ लेने की अपील की है।

दुर्ग जिले में बनेगा फिजियोथेरेपी कॉलेज मंत्री गजेन्द्र यादव ने किया भूमिपूजन

आम नागरिकों को आधुनिक व वैज्ञानिक उपचार सुविधाएं स्थानीय स्तर पर होगी उपलब्ध

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग जिले के स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा क्षेत्र को नई दिशा देने की दिशा में आज एक महत्वपूर्ण पहल हुई। कचांदूर स्थित चंदूलाल चंद्राकर शासकीय मेडिकल कॉलेज के पास नवीन फिजियोथेरेपी कॉलेज निर्माण हेतु भूमिपूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश के शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव शामिल हुए और विधिवत पूजा-अचर्ना कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किये।

केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि फिजियोथेरेपी चिकित्सा पद्धति आज स्वास्थ्य सेवाओं का अत्यंत महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी है। बदलती जीवनशैली, दुर्घटनाओं, खेल संबंधी चोटों, लकवा, कमर एवं जोड़ों के दर्द जैसी समस्याओं के उपचार में फिजियोथेरेपी की भूमिका लगातार बढ़ रही है। दुर्ग जिले में इस कॉलेज की स्थापना से आम नागरिकों को आधुनिक एवं वैज्ञानिक उपचार सुविधाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध हो सकेंगी।

केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि यह संस्थान केवल उपचार केंद्र ही नहीं बल्कि दुर्ग जिले के चिकित्सा शिक्षा और प्रशिक्षण का भी प्रमुख केंद्र बनेगा, जहां विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक तकनीक आधारित प्रशिक्षण तथा बेहतर करियर अवसर प्राप्त होंगे। इससे जिले सहित पूरे संभाग के युवाओं को स्वास्थ्य शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा।

केबिनेट मंत्री श्री यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार और चिकित्सा शिक्षा को सुदृढ़ करने के लिए लगातार कार्य कर रही है। प्रदेश के विभिन्न जिले में फिजियोथेरेपी कॉलेज बनाने बजट में स्वीकृति प्रदान किये थे जिसका आज भूमिपूजन किया गया। स्थापना से स्वास्थ्य सेवाओं को नई मजबूती मिलेगी तथा मरीजों को बिना ऑपरेशन और कम दवाइयों के माध्यम से उपचार की प्रभावी सुविधा मिलेगी। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में यह संस्थान दुर्ग जिले की पहचान बनेगा और बड़ी संख्या में मरीजों को लाभान्वित करेगा।

कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं मेडिकल कॉलेज स्टॉफ ने भी इस पहल को जिले के लिए ऐतिहासिक कदम बताया। भूमिपूजन अवसर पर विधायक डोमनलाल कोसर्वाड़ा, जिला पंचायत सदस्य जीतेन्द्र यादव, मेडिकल कॉलेज के चिकित्सकगण, स्टॉफ एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

विभागीय समन्वय से बेहतर काम करें अधिकारी : प्रभारी सचिव सोनमणि बोरा

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

प्रमुख सचिव और दुर्ग जिले के प्रभारी सचिव सोनमणि बोरा ने सोमवार को लोक निर्माण विभाग सभाकक्ष में अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने कहा कि दुर्ग जिले की मॉडल पहचान कायम रखने के लिए सभी विभाग समन्वय से काम करें। बैठक में कलेक्टर अभिजीत सिंह और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल भी मौजूद थे।

सुशासन तिहार और पेयजल पर जोर

प्रभारी सचिव ने कहा कि सुशासन तिहार के शिविरों में मिले आवेदनों का गुणवत्तापूर्ण निराकरण करें और जरूरी विभागीय सेवाएं लोगों तक पहुंचाएं। ग्रीष्मऋतु को देखते हुए नगरीय निकायों में पेयजल का पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश दिए। जरूरत पर टैंकर से पानी सप्लाई की जाए। बरसात से पहले बड़े नालों की सफाई पूरी करने और अतिक्रमण हटाने को कहा। सैप्टिक टैंक सफाई में एसओपी का पालन करने के निर्देश भी दिए।

मनरेगा भुगतान शुरू

मनरेगा की समीक्षा में बताया गया कि जिले में 14 जनवरी 2026 से 30 करोड़ 83 लाख 21 हजार रुपये की मजदूरी राशि लंबित थी। शासन से राशि स्वीकृत होने के बाद अब श्रमिकों के खातों में भुगतान शुरू हो गया है। प्रभारी सचिव ने सभी जनपद सीईओ को पंचायत स्तर पर भुगतान की जानकारी साझा करने और समस्या का त्वरित निराकरण करने को कहा।

स्कूलों के पास नशे की बिक्री पर लगाएं रोक

उन्होंने पीएम आवास निर्माण पूरा कराने और हितग्राही सम्मेलन कर प्रोत्साहित करने को कहा। एनआरएलएम के तहत 78 हजार 411 के लक्ष्य के मुकाबले 37 हजार लखपति दीदी बनाई गई हैं। राजस्व प्रकरण समयसीमा में निपटाने, संस्थागत डिलवरी बढ़ाने और शिशु मृत्यु दर शून्य करने के निर्देश दिए। 16 जून तक सभी छात्रावासों में मरम्मत पूरी करने और स्कूलों के पास नशे की बिक्री रोकने को कहा। खरीफ सीजन के लिए उर्वरक वितरण की कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए।

वन विभाग ने बताया कि जिले में चीचा और बेलौदी को वैट-लैंड क्षेत्र घोषित किया गया है। बैठक में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने पुलिस विभाग की गतिविधियों का प्रजेंटेशन दिया। इस मौके पर वनमंडलाधिकारी दीपेश कपिल, एडीएम वीरेन्द्र सिंह, अपर कलेक्टर योगिता देवांगन, संयुक्त कलेक्टर सिल्ली थामस, हरवंश सिंह मिरी, सभी एसडीएम और जनपद सीईओ मौजूद थे।

जयंती नगर गार्डन की जमीन पर अतिक्रमण, महापौर अलका बाघमार ने किया निरीक्षण

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 16 जयंती नगर स्थित मिनी गार्डन के लिए घोषित रिक्त भूमि पर मनोज गुप्ता एवँ उषा गुप्ता द्वारा अतिक्रमण कर कब्जा किए जाने की शिकायत वार्डवासियों द्वारा महापौर अलका बाघमार से की गई। शिकायत मिलते ही महापौर ने मामले को गंभीरता से लेते हुए स्थल का निरीक्षण किया तथा अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान महापौर अलका बाघमार के साथ लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर, भवन अधिकारी प्रकाश चंद थवानी एवं उप अभियंता पंकज साहू उपस्थित रहे। वार्डवासियों ने बताया कि संबंधित स्थल पर अतिक्रमण कर कब्जा किया गया है, जिससे मिनी गार्डन निर्माण की योजना प्रभावित हो रही है तथा क्षेत्र के नागरिकों को सार्वजनिक सुविधा से वंचित होना पड़ रहा है।

निरीक्षण के दौरान महापौर ने सड़क क्षेत्र में आगे बढ़ाकर बनाए गए सीढ़ी निर्माण को भी हटाने के निर्देश अधिकारियों को दिए। स्थानीय नागरिकों ने बताया कि सड़क पर अतिक्रमण एवं सीढ़ी निर्माण के कारण लोगों को आवागमन में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। विशेषकर बुजुर्गों, महिलाओं एवं बच्चों को आने-जाने में परेशानी होती है।

महापौर अलका बाघमार ने कहा कि निगम क्षेत्र में सार्वजनिक भूमि एवं सड़क पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नागरिकों की सुविधा एवं सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए अवैध कब्जों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान क्षेत्र के नागरिक एवं समाजसेवी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। वार्डवासियों ने महापौर एवं निगम प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई कर स्थल को कब्जा मुक्त कराने की मांग की। नागरिकों ने निगम की तत्परता की सराहना करते हुए कहा कि सार्वजनिक उपयोग की भूमि को सुरक्षित रखना आवश्यक है। इस अवसर पर समाजसेवी सविता वर्मा, किरण सुखदेवे, मनीष अग्रवाल, नीतू अग्रवाल, श्यामा अग्रवाल, रेखा वैष्णव, धमर्पाल वर्मा, माधुरी वर्मा, चेतन दास साहू, कुमुद साहू, जी. विश्वनाथ, साईबानी साहू एवं प्रहलाद भास्कर सहित अन्य वाडर्वासी मौजूद रहे।

मंत्री गजेन्द्र यादव ने किया भूमिपूजन

दुर्ग के सिकोला बस्ती में लगेगी शिवजी की भव्य प्रतिमा

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 15 एवं 16 स्थित सिकोला बस्ती के तालाब के मध्य में भगवान शिव की 31 फीट ऊँची भव्य प्रतिमा स्थापना हेतु आयोजित भूमिपूजन कार्यक्रम में प्रदेश के शिक्षा, ग्रामोद्योग एवं विधि-विधायी मंत्री गजेन्द्र यादव शामिल हुए। उन्होंने विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर निर्माण कार्य के शुभारंभ पर क्षेत्रवासियों को शुभकामनाएँ दीं।

केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि भगवान शिव की यह विशाल प्रतिमा केवल धार्मिक आस्था का केंद्र नहीं होगी, बल्कि क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान, आध्यात्मिक चेतना और सामाजिक एकता का भी प्रतीक बनेगी। उन्होंने कहा कि देवाधिदेव महादेव की कृपा से पूरे क्षेत्र में सुख, शांति, समृद्धि एवं सकारात्मक ऊर्जा का संचार बना रहे, यही कामना है। मंत्री श्री यादव ने उन्होंने वार्ड 15 एवं 16 के नागरिकों द्वारा जनसहयोग से कराए जा रहे इस धार्मिक एवं सामाजिक कार्य की सराहना करते हुए कहा कि समाज की सहभागिता से होने वाले ऐसे कार्य एकजुटता को मजबूत करते हैं। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्रवासियों ने मंत्री श्री यादव से तालाब के सौंदर्यीकरण की मांग भी रखी, जिस पर उन्होंने आवश्यक कार्य कराने हेतु मंच से घोषणा भी किये।

मंत्री श्री यादव ने उपस्थित नागरिकों को संबोधित करते हुए वार्ड के विकास कार्यों, मूलभूत सुविधाओं एवं आगामी योजनाओं को लेकर चर्चा की तथा क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य करने का भरोसा दिलाया। इस अवसर पर सभापति श्याम शर्मा, मंडल अध्यक्ष मनमोहन शर्मा, पार्षद युवराज कुंजाम, खिलावन मटियारा, कुलेश्वर साहू, मनीष कोठारी, मन्नू साहू, उमेश यादव, बलराम यादव, बबलू यादव, महिला समूह की सदस्यगण एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

बेलौदी में कै-दस्त पीड़ितों से पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने की मुलाकात, स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का लिया जायजा

50 से ज्यादा मरीज आने के बाद गांव पहुंचे भूपेश, मृतका के परिजनों को बंधाया ढांढस

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग-भिलाई

पाटन ब्लॉक के ग्राम बेलौदी में फैले कै-दस्त के प्रकोप को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल बुधवार को गांव पहुंचे। बेलौदी उनका गृह ग्राम भी है। उन्होंने गांव में लगाए गए विशेष स्वास्थ्य शिविर का निरीक्षण किया और पीड़ित मरीजों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। पूर्व मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से पूरे मामले की जानकारी ली। उन्होंने मरीजों को दिए जा रहे उपचार, दवाइयों की उपलब्धता और स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को गांव में चिकित्सा सुविधाएं और मजबूत करने के निर्देश दिए। साथ ही प्रभावित लोगों को त्वरित उपचार उपलब्ध कराने पर जोर दिया।

इस दौरान भूपेश बघेल गांव की मृतका सरस्वती निषाद के घर भी पहुंचे और शोक संतप्त परिवार से मुलाकात कर गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं। गौरतलब है कि बेलौदी गांव में सोमवार से कै-दस्त के 50 से अधिक मरीज सामने आ चुके हैं। कई मरीजों का इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पाटन और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गाड़ाडीह में जारी है। वहीं स्वास्थ्य विभाग द्वारा गांव में विशेष स्वास्थ्य शिविर लगाकर लगातार जांच और उपचार किया जा रहा है।

पीएम मोदी की अपील पर कांग्रेस का पलटवार, दीपक बैज बोले : जख्मों पर नमक छिड़का

उर्वरक कमी, महंगाई और पेट्रोल-डीजल के दाम को लेकर सरकार पर साधा निशाना

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील को देशवासियों के जख्मों पर नमक छिड़कने वाला बताया। उन्होंने कहा कि पिछले 2 महीने से डीजल, पेट्रोल, गैस के संकट और महंगाई से जूझ रहे लोगों को पीएम ने उर्वरक, तेल, गैस का उपयोग कम करने और वर्क फ्रॉम होम की सलाह दी है।

उर्वरक की कमी से घट रही उत्पादकता

बैज ने कहा कि मोदी किसानों से यूरिया की खपत कम करने को कह रहे हैं, जबकि देश में सात साल से उर्वरकों की कमी है। छत्तीसगढ़ में 15 लाख मीट्रिक टन उर्वरक की जरूरत है, पर राज्य सरकार अब तक 51 हजार मीट्रिक टन ही सोसायटियों तक पहुंचा पाई है। कुल जरूरत का सिर्फ 30 फीसदी उर्वरक पहुंचा है। उन्होंने कहा कि उर्वरक न मिलने से किसान कजर्दार हो रहे हैं और उत्पादकता घट रही है।

महंगाई के आंकड़े गिनाए

कांग्रेस ने 2013 और 2026 के दामों की तुलना की। 2013 में आटा 210 रुपये था जो अब 530 रुपये है। सरसों तेल 52 से 260 रुपये, रसोई गैस 410 से 1000 रुपये, पेट्रोल 66 से 100 रुपये, डीजल 52 से 95 रुपये हो गया है। जीरा 220 से 1450 रुपये पहुंच गया। दवाइयों के दाम 32 प्रतिशत बढ़े हैं। सोना 28500 से बढ़कर 1,52,130 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया।

क्रूड भंडारण पर सवाल

बैज ने कहा कि 12 साल में मोदी सरकार ने क्रूड ऑयल भंडारण का एक भी केंद्र नहीं बनाया। देश में तीनों भंडारण केंद्र यूपीए सरकार ने बनवाए थे। आज गैस, पेट्रोल-डीजल का संकट सरकार की लापरवाही से है।

आम आदमी पर कर्ज का बोझ

उन्होंने कहा कि महंगाई और बेरोजगारी के कारण आम लोगों की आय घटी है। घर चलाने के लिए 77 प्रतिशत तक ऋण लेना पड़ रहा है। पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स पर कर लगाकर 12 साल में 47 लाख करोड़ रुपये जनता से निकाले गए।

भाजपाइयों को दी नसीहत

बैज ने कहा कि मोदी की अपील पर पहले भाजपाई, मंत्री, विधायक साइकिल से चलें और डीजल-पेट्रोल बचाएं। प्रधानमंत्री अपने मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों के काफिले खत्म करें। उन्होंने कहा कि मनमोहन सरकार में देश चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था था, मोदी राज में छठे स्थान पर आ गया।

पत्रकार वार्ता में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष धनेंद्र साहू, पूर्व मंत्री सत्यनारायण शर्मा, डॉ. शिवकुमार डहरिया, मलकीत सिंह गैदू, राजेन्द्र तिवारी, सुशील आनंद शुक्ला सहित कई नेता मौजूद थे।

खास खबर

राज्यपाल डेका ने अपने काफिले से वाहन कम किए, आम जनता से भी मितव्ययता बरतने का आव्हान

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा राष्ट्रहित में की गई अपील को सकारात्मक रूप देते हुए राज्यपाल रमेन डेका ने अपने आधिकारिक काफिले (कारकेड) में चलने वाले वाहनों की संख्या कम कर दिए हैं। उन्होंने आम जनता से भी मितव्ययता बरतने का आव्हान किया है। राज्यपाल श्री डेका ने प्रधानमंत्री की अपील को न केवल स्वयं लागू किया बल्कि राज्य शासन से भी यह अपेक्षा की है कि तत्काल इस दिशा में प्रभावी कदम उठाए जाए।

राज्यपाल श्री डेका ने प्रधानमंत्री द्वारा सभी उल्लेखित बिन्दुओं, निजी वाहन का उपयोग कम करते हुए पब्लिक ट्रांसपोर्ट का ज्यादा से ज्यादा उपयोग करने तथा घरेलु संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग करने के संबंध में आम जनता से विशेष अपील की है। उन्होने कहा कि देश की आर्थिक मजबूती के लिए प्रत्येक नागरिक को अपनी भूमिका निभानी चाहिए। आम लोगों से अनुरोध किया है कि सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था का अधिकाधिक उपयोग और इलेक्ट्रॉनिक चलित वाहनों का उपयोग करें। घरेलू गैस की खपत को नियंत्रित एवं आवश्यकता आधारित रखने का भी आग्रह किया। राज्यपाल ने कहा कि सामूहिक जिम्मेदारी और संसाधनों के संतुलित उपयोग से ही हमारा देश भविष्य की चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना कर सकेगा।

आईपीएल को मुफ्त सुविधा देने पर कांग्रेस ने उठाए सवाल, बोली : जनता के धन की बर्बादी

रायपुर। आईपीएल मैचों के लिए राज्य सरकार द्वारा मुफ्त सुविधाएं देने पर कांग्रेस ने आपत्ति जताई है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि आईपीएल विशुद्ध रूप से व्यावसायिक और मुनाफा कमाने वाला आयोजन है। इसे मुफ्त में बिजली, पानी, पुलिस और सफाई की सुविधा देना जनता के धन की बर्बादी है।

बीसीसीआई को सौंपा स्टेडियम : शुक्ला ने कहा कि करोड़ों रुपये खर्च कर कांग्रेस की पहली सरकार ने शहीद वीरनारायण सिंह स्टेडियम बनाया था। भाजपा सरकार इसे सुरक्षित नहीं रख पाई और बीसीसीआई को सौंप दिया। सरकार को बताना चाहिए कि इसके बदले राज्य के लोगों और खिलाड़ियों के लिए बीसीसीआई से क्या सहूलियत ली गई।

छत्तीसगढ़ को क्या फायदा : उन्होंने कहा कि आईपीएल मैच में बिजली, पानी, पुलिस फोर्स, सुरक्षाकर्मी, सफाई कर्मी और प्रशासनिक अमला लगाया गया है। सरकारी अधिकारी व्यवस्था देख रहे हैं। लेकिन बदले में छत्तीसगढ़ की जनता को क्या फायदा हो रहा है, यह सरकार स्पष्ट करे। आरसीबी का होम ग्राउंड बेंगलुरु था। कर्नाटक सरकार ने सुविधा नहीं दी तो आरसीबी ने छत्तीसगढ़ को होम ग्राउंड बना लिया। इससे राज्य को क्या मिला। रॉयल चैलेंजर बेंगलुरु का नाम बदलकर रॉयल चैलेंजर छत्तीसगढ़ कर देना चाहिए।

टैक्स वसूली की मांग : शुक्ला ने कहा कि आईपीएल को लक्जरी मनोरंजन की श्रेणी में रखा गया है। 22 सितंबर 2025 से आईपीएल टिकटों पर जीएसटी 28 प्रतिशत से बढ़ाकर 40 प्रतिशत कर दिया गया है। यह कैसीनो और जुए के समान टैक्स ब्रैकेट है। भारतीय खिलाड़ियों की सैलरी से 10 प्रतिशत और विदेशी खिलाड़ियों से 20 प्रतिशत टीडीएस कटता है। खिलाड़ियों को सालाना आय पर 30 प्रतिशत या उससे अधिक आयकर भी देना पड़ता है। ऐसे में राज्य सरकार द्वारा मुफ्त सुविधा देना अनुचित है। सरकार को आईपीएल से पूरा टैक्स वसूलना चाहिए।

मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में प्रदेश में मजबूत हो रही विद्युत अधोसंरचना

कवर्धा के घोटिया में बनेगा नया विद्युत उपकेंद्र, 13 वार्डों के 8614 उपभोक्ताओं को मिलेगा लाभ

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में विद्युत अधोसंरचना को मजबूत बनाने और आम नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण बिजली सुविधा उपलब्ध कराने के लिए लगातार व्यापक कार्य किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में कबीरधाम जिले के कवर्धा शहर में बढ़ती विद्युत मांग को देखते हुए घोटिया स्थित नवीन बस स्टैंड के पास 33/11 केव्ही विद्युत उपकेंद्र का निर्माण किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा ने मुख्यमंत्री अधोसंरचना विकास योजना अंतर्गत लगभग 2.06 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले इस उपकेंद्र का भूमिपूजन किया।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत व्यवस्था को आधुनिक और सुदृढ़ बनाने के लिए तेजी से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि नया विद्युत उपकेंद्र शुरू होने से आसपास के क्षेत्रों को बेहतर एवं निर्बाध बिजली आपूर्ति मिल सकेगी। इस परियोजना से कवर्धा शहर के 13 वार्डों के लगभग 8 हजार 614 उपभोक्ता सीधे लाभान्वित होंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार बनने के बाद पिछले ढाई वर्षों में जिले में विद्युत अधोसंरचना को मजबूत करने के लिए लगातार कार्य किए गए हैं। दलदली, सेमो और सरेखा में नए उपकेंद्रों का भूमिपूजन पहले ही किया जा चुका है तथा दुबहा में भी जल्द नए उपकेंद्र का भूमिपूजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिले में पांच नए सब स्टेशन स्थापित करने की दिशा में तेजी से कार्य चल रहा है।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि विद्युत आपूर्ति को सुचारु बनाए रखने के लिए ट्रांसफार्मर और सब स्टेशन अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। ट्रांसफार्मरों की संख्या बढ़ने से लो वोल्टेज, ओवरलोड और बार-बार बिजली बाधित होने जैसी समस्याओं में कमी आती है। उन्होंने बताया कि पिछले ढाई वर्षों में जिले में अब तक 486 नए ट्रांसफार्मर स्थापित किए जा चुके हैं तथा आने वाले समय में भी यह कार्य जारी रहेगा। उन्होंने अधिकारियों को कार्य समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश देते हुए नवंबर माह तक इस उपकेंद्र से विद्युत आपूर्ति प्रारंभ करने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

घोटिया में बनने वाले नए विद्युत उपकेंद्र में 5 एमव्हीए क्षमता का पावर ट्रांसफार्मर स्थापित किया जाएगा। वतर्मान में कवर्धा शहर की विद्युत व्यवस्था दो पावर ट्रांसफार्मरों के माध्यम से संचालित हो रही है, जबकि नया ट्रांसफार्मर शहर की लगभग 40 प्रतिशत आबादी को कवर करेगा। इससे वोल्टेज की समस्या, लाइन फॉल्ट और ओवरलोड जैसी परेशानियों से लोगों को राहत मिलेगी। इस नए उपकेंद्र से तीन नए 11 केव्ही फीडर-मेडिकल कॉलेज फीडर, तुलसीनगर फीडर और राजदीप कॉलोनी फीडर निकाले जाएंगे। इनके माध्यम से नव विकसित क्षेत्रों में बेहतर बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। विद्युत विभाग के अधिकारियों ने बताया कि उपकेंद्र शुरू होने के बाद लोहारा नाका स्थित उपकेंद्र का भार भी यहां स्थानांतरित किया जाएगा, जिससे दशरंगपुर, टाउन-1 और रामनगर फीडरों पर दबाव कम होगा तथा अंतिम छोर तक गुणवत्तापूर्ण बिजली उपलब्ध कराई जा सकेगी।

"नर्सिंग सिस्टर" अब कहलाएंगी "सीनियर नर्सिंग ऑफिसर"

स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए मुख्यमंत्री का आभार : श्याम बिहारी जायसवाल

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने अंतर्राष्ट्रीय नर्सेस दिवस पर राज्य की नर्सों के सम्मान में नर्सिंग संवर्ग के पदनाम परिवर्तन की बड़ी घोषणा की है। इस घोषणा के अनुसार "नर्सिंग सिस्टर" अब "सीनियर नर्सिंग ऑफिसर" कहलाएंगी जबकि स्टाफ नर्स का नाम नर्सिंग ऑफिसर होगा।

डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय रायपुर में अंतर्राष्ट्रीय नर्सेस दिवस पर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने ये घोषणा की है। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नर्सिंग अधिकारी व नर्सिंग छात्र-छात्राओं के साथ अस्पताल के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि मरीजों की सेवा में नर्सों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने कहा कि चिकित्सा सेवा में मानवीय संवेदनाओं और सेवा भाव का सबसे बड़ा उदाहरण नर्सिंग स्टाफ प्रस्तुत करता है। उन्होंने कोविड काल में नर्सिंग स्टाफ की सेवाओं को याद करते हुए कहा कि कठिन परिस्थितियों में भी नर्सों ने समर्पण और सेवा भाव के साथ कार्य किया। चिकित्सा सेवा में नर्स माँ के समान होती है। उनका दर्जा माँ के समान उच्च है क्योंकि वे मरीजों की देखभाल परिवार की तरह करती हैं।

स्वास्थ्य मंत्री ने मुख्यमंत्री साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। वर्षो से लंबित कई सुविधाओं और व्यवस्थाओं को पूरा किया जा रहा है। इस मौके पर स्वास्थ्य मंत्री ने सीनियर नर्सिंग ऑफिसर डॉ. रीना राजपूत, नीलिमा शर्मा, रंजना सिंह ठाकुर, सुमन देवांगन, कोमेश्वरी नवरंगे, प्रगति सतपुते, शीतल सोनी और नमिता डेनियल सहित पूरे नर्सिंग ऑफिसर को बधाई देते हुए उनके कार्यो की सराहना की।

छग में सामाजिक समावेशन की नई मिसाल : 8 ट्रांसजेंडर उम्मीदवार बने पुलिस आरक्षक

संघर्ष, आत्मविश्वास और शासन के सहयोग से मिली ऐतिहासिक सफलता

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य ने सामाजिक समावेशन और समान अवसर की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज की है। राज्य में 8 ट्रांसजेंडर उम्मीदवारों का चयन पुलिस आरक्षक पद पर हुआ है। यह सफलता वर्ष 2024 की भर्ती प्रक्रिया तथा 2025 में आयोजित शारीरिक दक्षता एवं लिखित परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर मिली है।

चयनित उम्मीदवारों में सुश्री भूमि मानिकपुरी, सुश्री खुशी ध्रुव, सुश्री संजना ध्रुव, सुश्री रानू यादव, सुश्री पवित्रा चंद्रवंशी, सुश्री लक्ष्मी साहू, सुश्री अप्सरा जायसवाल और सुश्री सुभी यादव शामिल हैं। ये उम्मीदवार रायपुर, बेमेतरा, जांजगीर-चांपा और कांकेर सहित विभिन्न जिलों से हैं। सामाजिक चुनौतियों, अस्वीकायर्ता और अनेक व्यक्तिगत संघर्षों के बावजूद इन सभी ने अपने आत्मविश्वास और मेहनत के दम पर यह मुकाम हासिल किया।

यह उपलब्धि केवल रोजगार प्राप्ति तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में ट्रांसजेंडर समुदाय की बढ़ती भागीदारी, सम्मान और स्वीकायर्ता का सशक्त संदेश भी देती है। पुलिस विभाग जैसे जिम्मेदार क्षेत्र में उनकी नियुक्ति राज्य में समान अवसर आधारित शासन व्यवस्था को और मजबूत करेगी इस सफलता में समाज कल्याण विभाग, छत्तीसगढ़ शासन की महत्वपूर्ण भूमिका रही। विभाग द्वारा उम्मीदवारों को प्रशिक्षण, आवागमन सुविधा तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई गईं, जिससे उन्हें भर्ती प्रक्रिया की तैयारी में निरंतर सहयोग मिला।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार समाज के प्रत्येक वर्ग को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। ट्रांसजेंडर समुदाय को शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार और सम्मानजनक अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में यह चयन एक प्रेरणादायी कदम माना जा रहा है। यह सफलता आने वाले समय में अनेक ट्रांसजेंडर युवाओं के लिए प्रेरणा बनेगी और यह संदेश देगी कि प्रतिभा, परिश्रम और अवसर मिल जाएं तो कोई भी सपना असंभव नहीं होता।

रासायनिक खरपतवारनाशकों का नियंत्रित और प्रभावी उपयोग किया जाए : डॉ. नायक

कृषि विश्वविद्यालय में अखिल भारतीय खरपतवार प्रबंधन अनुसंधान परियोजना की तीन दिवसीय वार्षिक बैठक का शुभारंभ

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में यहां अखिल भारतीय समन्वित खरपतवार प्रबंधन अनुसंधान परियोजना की 33वीं वार्षिक समीक्षा बैठक की शुरूआत हुई। इस तीन दिवसीय बैठक का उद्घाटन मुख्य अतिथि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के उप महानिदेशक डॉ. ए. के. नायक द्वारा किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय जैविक तनाव प्रबंधन संस्थान, (आईसीएआर) बरोंडा रायपुर के निदेशक डॉ. पीके राय तथा डॉ. राकेश कुमार सहायक महानिदेशक आईसीएआर नई दिल्ली मौजूद थे। यह परियोजना देश के विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों में फसलों में खरपतवार नियंत्रण पर अनुसंधान तथा नवीनतम तकनीकों के विकास एवं उनके किसानों के बीच प्रसार हेतु भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा जबलपुर स्थित खरपतवार अनुसंधान निदेशालय के माध्यम से चलाई जा रही है।

बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ. एके नायक ने वैज्ञानिकों से खरपतवारों के रसायनिक नियंत्रण के बजाय समन्वित खरपतवार नियंत्रण को अपनाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि रासायनिक खरपतवारनाशकों के हानिकाकरक प्रभावी को देखते हुए उन पर आधारित अनुसंधान को हतोत्साहित किया जाए। डॉ. नायक ने प्राकृतिक एवं जैविक कृषि अपनाने पर जोर देते हुए विभिन्न लाभकारी सूक्ष्मजीवों, केंचुओं तथा कीट पतंगो पर खरपतवारनाशकों के दुष्प्रभाव का अध्ययन करने की सलाह दी। कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने कहा कि रासायनिक खरपतवारनाशी यद्यपि खेतों में खरपतवारों के नियंत्रण करने में समर्थ है लेकिन ये पर्यावरण तथा पारिस्थितिकी तंत्र के लिए हानिकारक है अतः इनका नियंत्रित और प्रभावी उपयोग किया जाना चाहिए। खरपतवार नाशकों का अंधाधुंध उपयोग मानवों और जीव-जंतुओं के स्वास्थ्य तथा पर्यावरण के लिए नुकसानदायक है। उन्होंने कहा कि खरपतवारों के प्रबंधन के लिए केवल रसायनों पर निर्भर न रहकर यांत्रिक एवं बायोलॉजिकल नियंत्रण विधियों को प्राथमिकता देनी चाहिए। समारोह को डॉ. पीके राय तथा डॉ. राकेश कुमार ने भी संबोधित किया।

खरपतवार अनुसंधान निदेशालय, जबलपुर के प्रभारी डॉ. विजय कुमार चौधरी, प्रमुख वैज्ञानिक ने अखिल भारतीय समन्वित खरपतवार प्रबंधन अनुसंधान परियोजना के तहत देशभर के सभी 17 केन्द्रों में संचालित गतिविधियों एवं उपलब्धियों की जानकारी प्रस्तुत की। इस अवसर पर परियोजना के वार्षिक प्रतिवेदन 2025-26 के साथ ही अन्य प्रकाशनों का विमोचन भी किया गया। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त प्राध्यापक डॉ. एसएस कोल्हे को खरपतवार प्रबंधन अनुसंधान के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान हेतु लाइफटाइम अचिवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। पंजाब कृषि विश्वविद्यालय लुधियाना को खरपतवार प्रबंधन हेतु आईसीएआर बेस्ट सेंटर अवार्ड से सम्मानित किया गया। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के संचालक अनुसंधान एवं बैठक के आयोजन सचिव डॉ. वीके त्रिपाठी ने रायपुर केन्द्र में इस परियोजना के तहत किए जा रहे कार्यो एवं गतिविधियों की जानकारी दी। परियोजना के प्रमुख अन्वेषक डॉ. श्रीकांत चितले ने अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

उल्लेखनीय है कि इस समीक्षा बैठक में भारत भर के विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों में संचालित 17 प्रमुख केंद्रों, तथा 7 स्वयंसेवी केंद्रों में खरपतवार अनुसंधान में कार्यरत वैज्ञानिकों के अलावा राज्य कृषि विश्वविद्यालयों, ICAR संस्थानों तथा हर्बीसाइड उद्योगों के लगभग 100 वैज्ञानिक शामिल हुए हैं।

समीक्षा बैठक के दौरान वर्ष 2025-26 में किए गए अनुसंधान कार्यो एवं विस्तार गतिविधियों की प्रमुख उपलब्धियों की समीक्षा की जाएगी तथा आगामी दो वर्षो के लिए तकनीकी कार्यक्रम पर गहन विचार विमर्श करते हुए इसे अंतिम रूप दिया जाएगा। गौरतलब है कि खरपतवार नियंत्रण न करने या समय पर न किए जाने से फसल उत्पादन में लगभग 40 से 60 प्रतिशत तक कमी आती है। धान की सीधी बोनी में यह कमी कभी कभी 90 प्रतिशत तक बढ़ सकती है।

पर्यटन व संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने छोड़ा विशेष प्रोटोकॉल

सुरक्षा काफिला राष्ट्र प्रथम की भावना से ऊर्जा संरक्षण का दिया संदेश

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

वैश्विक ऊर्जा संकट, बढ़ती ईंधन खपत तथा पर्यावरणीय चुनौतियों के बीच राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए छत्तीसगढ़ शासन के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने एक महत्वपूर्ण और प्रेरणादायी निर्णय लिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा ईंधन संरक्षण एवं संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग के आह्वान से प्रेरित होकर मंत्री श्री अग्रवाल ने अपने राजकीय दौरों के दौरान पायलट वाहन, फॉलो वाहन तथा अन्य विशेष प्रोटोकॉल का उपयोग नहीं करने का निर्णय लिया है।

मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि वतर्मान परिस्थितियों में ईंधन की बचत केवल आर्थिक आवश्यकता नहीं, बल्कि राष्ट्रीय जिम्मेदारी भी है। इसी भावना के अनुरूप उन्होंने अपने सुरक्षा काफिले में केवल अपरिहार्य वाहनों को ही शामिल करने तथा अनावश्यक वाहनों को तत्काल प्रभाव से हटाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि सामान्य स्थिति बहाल होने तक वे किसी भी प्रकार की पायलट, फॉलो गाड़ी अथवा विशेष प्रोटोकॉल का उपयोग नहीं करेंगे।

श्री अग्रवाल ने कहा कि यह समय जिम्मेदारी, संयम और जनभावनाओं के साथ खड़े रहने का है। राष्ट्रहित में प्रत्येक नागरिक की इसमें सहभागिता अत्यंत आवश्यक है। मंत्री श्री अग्रवाल ने प्रदेशवासियों से अपील करते हुए कहा कि वे राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ सार्वजनिक परिवहन प्रणाली, कारपूलिंग तथा संसाधनों के संयमित उपयोग को अपनाएं, इससे न केवल ईंधन की बचत होगी, बल्कि पर्यावरण संरक्षण तथा प्रदूषण नियंत्रण में भी महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार आत्मनिर्भर भारत, पर्यावरण संरक्षण और संसाधनों के संतुलित उपयोग की दिशा में देशवासियों को प्रेरित कर रहे हैं। उनकी प्रेरणा को आत्मसात करते हुए यह निर्णय लिया गया है, ताकि शासन और जनप्रतिनिधि स्वयं उदाहरण प्रस्तुत कर समाज को सकारात्मक संदेश दे सकें।

संपादकीय

केरल का सीएम तय नहीं कर पाना भी नाकामी है

राजनीति में दूसरे को नाकाम बताना बहुत ही आसान काम होता है कुछ नहीं करना पड़ता मौका मिलता है एक बयान जारी करना पड़ता है कि पीएम नाकाम हो गए हैं। राहुल गांधी यही करते हैं जब भी उनको बोलने का मौका मिलता है तो वह पीएम मोदी को हर मामले में नाकाम बताने का प्रयास करते है लेकिन वह भूल जाते हैं कि वह दूसरों का नाकाम बताएंगे तो दूसरे भी उनको नाकाम बताएंगे और उनकी २० साल की राजनीति में नाकामी को गिनांएंगे भी ।लोग तो कहेंगे भी कि राहुल गांधी जिस पद पर हैं और रहे हैं उस पर वह नाकाम रहे हैं। वह अध्यक्ष थे तो कांग्रेस को चुनाव जिताने की जिम्मेदारी उनकी थी और वह कांग्रेस को चुनाव नहीं जिता पाए। अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया ताकि फिर कांग्रेस चुनाव हारे तो उनको इसके लिए कोई दोषी न बताए।

संसद में नेता प्रतिपक्ष हैं और इस देश में कांग्रेस के नेताओं को छोड़कर शायद ही कोई यह स्वीकार करेगा कि उन्होंने नेता प्रतिपक्ष के रूप में सराहनीय काम किया है। ज्यादातर लोग तो यही मानते हैं कि राहुल गाधी ने नेता प्रतिपक्ष पद की गरिमा कम की है ।संसद में उन्होंने जो कहा है और किया है उससे नेता प्रतिपक्ष पद की गरिमा कम हुई है। वह खुद को नीति नियमों से परे मानते हैं और जो कह दिया वही सही,जो कर दिया वही सही मानते हैं। राहुल गांधी अघोषित विपक्ष के नेता भी है और उनके नेतृत्व में विपक्ष की साख गिरी है। विपक्ष एकजुट होने की जगह बिखर गया है। कई राज्यों में विपक्षी दलों की हार का कारण विपक्षी दलों की साख गिरना भी है।

कांग्रेस के अध्यक्ष खरगे हैं लेकिन कांग्रेस के सारे फैसले राहुल गांधी करते हैं और उनके गलत फैसले का खामियाजा कांग्रेस को राज्यों में भुगतना पड़ता है। कांग्रेस चुनाव हारती है और राहुल गांधी इसके लिए खुद को दोषी नहीं मानते हैं। कांग्रेस चुनाव के बाद चुनाव हारती जाती है और कांग्रेस के सबसे बड़े नेता राहुल गांधी इसकी जिम्मेदारी नहीं लेते हैं। चुनाव हारना उनकी नाकामी है लेकिन वह उसके लिए बहाने बनाते हैं यानी दूसरों को दोषी बताते हैं। वह चुनाव आयोग को कांग्रेस की हार का कारण बता देते हैं। अभी केरल में कांग्रेस चुनाव जीती है तो वहां चुनाव आयोग ने अच्छा काम किया है लेकिन बाकी जगह जहां कांग्रेस हारी है वहां चुनाव आयोग ने अच्छा काम नहीं किया है।

वह पीएम मोदी को नाकाम बताते हैं कि वह देश नहीं चला पा रहे हैं, देश तो बहुत बड़ा है, राहुल गांधी तो कांग्रेस पार्टी को ठीक से नहीं चला पा रहे है, पार्टी ठीक से नहीं चला पाने वाले नेता को देश चलाने वाले नेता की आलोचना नहीं करनी चाहिए ।देशहित में पीएम मोदी फैसले लेते रहे हैं और आगे भी लेते रहेंगे ।वह कोई फैसला करते हैं तो जनता मानती हैं कि पीएम मोदी ने देश हित मे यह फैसला किया है। राहुल गांधी तो कांग्रेस का सबसे बड़ा नेता होने के बाद भी केरल में सीएम कौन होगा इसका फैसला नहीं कर पा रहे है जबकि यह फैसला उनको ही करना है ।चार मई रिजल्ट आने के बाद भाजपा बंगाल, असम, पुड्डुचेरी मे सीएम तय कर चुकी है, सीएम शपथ ले चुके है और राहुल गांधी केरल सीएम का फैसला नहीं कर पा रहे हैं, यह उनकी नाकामी है।

इससे पहले भी वह छत्तीसगढ़ में सीएम का फैसला इस तरह किए थे कि अगले चुनाव मे कांग्रेस की हार का एक कारण ढाई ढाई साल सीएम का आलाकमान का फैसला माना जाता है ।कर्नाटक में भी आलाकमान यानी राहुल गांधी यही किया और वहां शिवकुमार व सिध्दारमैया आए दिन सीएम पद के लिए एक दूसरे के सामने खड़े हो जाते हैं। केरल में आलाकमान फिर वही गलती कर सकता है जो उसने छत्तीसगढ़ व कर्नाटक में की है। एक बड़े नेता की उपेक्षा क दूसरे अपने करीबी नेता को सीएम बनाने की गलती ।एक चुनाव के बाद आलाकमान की गलती का खामियाजा हारकर कांग्रेस उसी राज्य में अगले चुनाव में भुगतती है। सत्ता मिलते हैं कि उसको गंवाने वाली गलती करने में कांग्रेस आलाकमान को कोई मुकाबला नहीं है।

दो लाइन की घोषणा से देश के लाखों जीवन होते है प्रभावित

वरिष्ठ पत्रकार सुरेश महापात्रा के फेसबुक वाल से

मंगलवार को NTA ने जैसे ही NEET परीक्षा रद्द करने की घोषणा की मैं सन्न रह गया। यह घोषणा नहीं थी बल्कि पुष्टि थी कि पेपर लीक हुआ है। कितने लोगों को यह पता रहता है कि इस तरह कि दो लाइन की घोषणा से कितनों का जीवन प्रभावित होता है। आप बच्चों की चुनौतियाँ बढ़ाते नहीं हैं बल्कि उम्मीद खत्म करते हैं।

एक पिता के तौर पर मेरे अनुभव बेहद कड़वे हैं। मेरी बिटिया ने कक्षा सातवीं में डॉक्टर बनने की बात यूँ ही कह दी थी। अक्सर बच्चों को यह पता नहीं होता है कि वे जिन सपनों को जीना चाहते हैं उसमें केवल पढ़ाई ही चुनौती नहीं होती है। उसके आगे भी दम निकालने वाली चुनौतियों का एक पहाड़ खड़ा रहता है। बिटिया ने अपनी बात तो बस यूँ ही कह दी पर एक पिता के तौर पर मेरी ज़िम्मेदारी थी कि उसके सपनों को पंख लगा दूँ।

परिवार में कोई उस दिशा की पढ़ाई करने और सफलता के मंत्र बताने वाला नहीं था। मुझे तो खुद भी नहीं पता था कि क्या और कैसे? बस इच्छा थी कि बिटिया ने कहा है तो हमें अपनी कोशिश करनी ही होगी। कक्षा आठवीं तक गायत्री विद्या पीठ में उसने पढ़ाई की। उसके आगे की पढ़ाई वहाँ उपलब्ध नहीं थी तो निर्मल निकेतन कारली पहुँचे। तब पता चला कि भाई पढ़ाई-पढ़ाई में भी फर्क.होता है। यानी बिटिया अब तक सीजी बोर्ड की पढ़ाई कर रही थी निर्मल निकेतन में कळरउ बोर्ड की पढ़ाई होती है। फादर ने कहा हम उसकी भर्ती ऐसे ही नहीं ले सकते क्योंकि बिटिया की क्षमता उस पढ़ाई के लायक़ है या नहीं यह पता करना होगा।

बिटिया ने पहले तोकापाल में अपनी माँ के साथ कस्तूरबा विद्यामंदिर में पढ़ना शुरू किया था उसके बाद वह गायत्री पहुँची थी फिर जगदलपुर में सेंट जेवियर में पढ़ने के बाद सक्सेस कान्वेंट से होकर फिर दंतेवाड़ा लौटी थी तो बहुत सारे स्कूलों की शिक्षा का प्रभाव स्वाभाविक तौर पर उसके भीतर अनुभव के रूप में शामिल था। निर्मल निकेतन की प्रवेश परीक्षा में जब उसका प्रदर्शन दिखा तो फादर ने चौंकते हुए कहा था मुझे उम्मीद नहीं थी कि वह इस तरह का प्रदर्शन कर सकेगी! उन्होंने कहा बिटिया कळरउ की शिक्षा के लिए तैयार है।

फिर नई चुनौती सामने खड़ी हो गई। निर्मल निकेतन में केवल कक्षा दसवीं तक ही शिक्षा उपलब्ध थी। सो आगे की पढ़ाई के लिए नई राह तलाशनी थी। उस समय तक सीजी पीएमटी का मेडिकल प्रवेश परीक्षा हुआ करता था। हमारी कोशिश यही थी कि बिटिया छत्तीसगढ़ में मेडिकल की पढ़ाई करे। सो उत्रढटळ की तैयारियों के हिसाब से हमने कई स्कूलों का भ्रमण किया। तब Haji Mohd Hanif Barvatia जी के स्कूल HAM academy में पहुँचे। वहाँ सीजी बोर्ड की पढ़ाई और सीजीपीएटी की तैयारी करवाई जाती थी।

बिटिया ने पाठ्यक्रम देखा और सीजीपीएमटी की तैयारी वाली किताबों को पलटने के बाद इस शाला का चयन किया। यानी एक बार फिर सीजी बोर्ड! कक्षा 11वीं की परीक्षा देते हुए ट्रायल के लिए सीजीपीएमटी का फार्म भी भर दिया। एवं परीक्षा के दौरान पता चला कि सरकार ने मेडिकल परीक्षा का पैटर्न बदल दिया है। अब आल इंडिया बेसिस पर AIPMT की परीक्षा होगी। तब पहली बार पता चला कि CG बोर्ड, CBSC और ICSC की तीन तरह की पढ़ाई होती है। उसमें सीजी बोर्ड तीसरे स्थान पर है। और ICSC सबसे अव्वल! AIMPT में सारे सवाल CBSC पैटर्न पर आएँगे। आनन-फानन में तैयारी का तरीक़ा भी बदला।

AIPMT परीक्षा के बाद पता चला कि प्रश्नपत्र लीक हो गया है। तब तो चिंता की बात नहीं थी बिटिया 11वीं में ही थी। दुबारा परीक्षा हुई बिटिया ने अच्छा प्रदर्शन किया पर वह 12वीं की परीक्षा पास नहीं कर पाई थी पढ़ रही थी। सो हमारी उम्मीद बढ़ गई। इसके बाद जब बिटिया ने 12वीं की परीक्षा के साथ AIPMT की तैयारी शुरू की तो पता चला अब NEET के माध्यम से चयन होगा। 12वीं में रहते पहला NEET परीक्षा दिया रायपुर में सेंटर मिला।

पहली बार एक नया दृश्य सामने आया। बच्चों की तैयारी के साथ बदहवास माता-पिता की बड़ी भीड़ परीक्षा केंद्र के सामने दिखाई दी। संभवतः MGM स्कूल में उसका केंद्र था। जब बच्चे जाँच परीक्षण के बाद केंद्र के भीतर प्रवेश कर रहे थे तब एक माँ की आवाज ने सकते में डाल दियाङ्क अपने बच्चे को परीक्षा में सफलता के लिए उन्होंने कहा बेटा पूरे परिवार की इज़्ज़त का सवाल हैङ्क ध्यान से परीक्षा देना। बहुत से लोग हतप्रभ रह गए थे। क्या किसी बच्चे को परीक्षा से ठीक पहले इस तरह से प्रेसराइज किया जाना चाहिए? मेरे मन में यह सवाल कौंध रहा था।

बिटिया ने अच्छे नंबर लाए पर हम छत्तीसगढ़ में सरकारी कॉलेज के भरोसे रह गए। यह हमारी नॉलेज की कमी का नतीजा रहा। तब भी बहुत सारी खबरें आई कि निजी कॉलेजों में आगे पीछे कर प्रवेश दिया गया। बिटिया ने कहा मैं दुबारा परीक्षा दूँगी, हम साथ हो गए। फिर रायपुर में ही उसे रहने के लिए छोड़ दिया। ताकि कोचिंग कर सके। बिटिया ने अनुभव के अभाव में कहा कि वह कोचिंग के बाद खाली समय के लिए बीएससी की पढ़ाई रेगुलर करूँगी! मैंने सहमति दी। साइंस कॉलेज में उसका दाखिला हो गया।

NEET की परीक्षा परिणाम में बीएससी की रेगुलर पढ़ाई का दुष्प्रभाव दिखा। फिर क्वालिफाइंग से बेहतर नंबर हासिल हुआ पर छत्तीसगढ़ में तब केवल 6 मेडिकल कॉलेज रह गए। चंदूलाल चंद्राकर को भी प्रतिबंधित कर दिया गया। उस बरस फिर नियम बदल गया सभी राज्यों के लिए स्टेट डोमिसाइल सर्टिफि केट की अनिवार्यता लागू कर दी गई। निजी कॉलेजों में केवल NRI सीट के लिए व्यवस्था दी गई। मैनेजमेंट सीटों को लेकर भी स्टेट बॉडी की रैंकिंग लिस्ट की अनिवार्यता लागू की गई। हम बेबस रहे। हमारी गलती यही थी कि सब कुछ बीत रहा था पर नॉलेज की कमी रही। हमारे आसपास के बच्चे बाहर शिफ़्ट होते रहे।

हम भी गए भुवनेश्वर वहाँ कलिंगा, हाईटेक और दो और कॉलेज में बात की। कलिंगा ने साफ कह दिया कि यहाँ अन्य राज्यों के नेशनल लिस्ट के आधार पर ही होगा। हाईटेक में बात हुई पर उन्होंने साफ कह दिया कि आप स्टेट डोमिसाइल का सर्टिफि केट साझा करें- रायपुर लौटे यहाँ पहली बार एक पूर्व परिचित आईएएस अधिकारी के पास पहुँचे और सहयोग की मांग की। फिर भी बात नहीं बनी। रायपुर के करीब ही एक मेडिकल कॉलेज पहुँचा साथ में बिटिया भी थी वहाँ सीधी बात हुई। मुझे कहा गया कि 25 लाख नगद जमा करवा दें। डॉयरेक्टर्स की बैठक में करवा देंगेङ्क मैंने सोचा कुछ भी करके दे देंगे पर बात आकर अटक गई कि वे NRI सीट पर प्रवेश देने की बात कह रहे थे।

मैंने NRI की जगह मैनेजमेंट सीट के लिए अनुरोध किया। बात इतनी खुलकर की गई कि मैं झिझक रहा था सामने बैठे सज्जन ने कहा यहाँ खुलकर ही बात होती है। आप चाहें तो टैप भी कर लें- उफ़्फ़

बिटिया ने कहा एक और कोशिश करूँगी ताकि सरकारी कॉलेज मिल जाए। हर बार की तरह सरकारी कॉलेज के लायक़ जिसमें ब्राम्हण सामान्य वर्ग होने के बाद भर्ती हो सके संभव नहीं हो सका। छत्तीसगढ़ में इस समय मेडिकल पढ़ाई के लिए बहुत सारे कॉलेज बन गए हैं तब यह था ही नहीं, कट ऑफ बहुत ज़्यादा जाता था। मैंने हर बार परीक्षा हाल के भीतर जाती बिटिया को उम्मीदों के साथ जाते देखाङ्क उसकी बेचैनी देखी, उसके साहस को देखा- परीक्षा हाल के सामने पैरेंट्स की भीड़ लगातार बढ़ती जा रही थी। एक बार तो रायपुर कलिंगा यूनिवर्सिटी परीक्षा केंद्र में परीक्षा हाल से निकलते ही एक बिटिया के पिता को गश खाकर गिरते देखा जब पिता ने सवाल किया कि परीक्षा कैसी रही उनकी बिटिया बस इतना ही कह पाई थी कि पापा, बिगड़ गया.... उफ़्फ़! हर साल दो लाख से ज़्यादा उम्मीदवार बढ़ रहे थे- उम्मीदों का भार बच्चों के दिलो दिमाग़ में बढ़ता ही जा रहा था। ऐसे में पूरी तैयारी के साथ परीक्षा देने के बाद जब बात बाहर निकलती है कि प्रश्न पत्र लीक हो गया, आप सोचिए क्या बीतता होगा? बाल मन में।

फिर दिल पर पत्थर रखकर बिटिया को विदेश में पढ़ाई करने के लिए भेजा, हर बार देखता रहा बिटिया से बहुत कम नंबर लाकर भी बच्चे सरकारी मेडिकल कॉलेज में पढ़ाई कर पा रहे हैं- पैरेंट्स की जानकारी का अभाव बच्चों के लिए जंजाल बन जाता है। भारत में मेडिकल की पढ़ाई के लिए परीक्षा में क्वालिफाई करने वाले सभी बच्चों के हिसाब से मेडिकल कॉलेज अब भी नहीं है। कुल सीटों की संख्या अब जाकर 75 हजार हो सकी है। जब बड़ी संख्या में कॉलेज खोले गए हैं। 2019 तक महज 40 हजार सीटें थीं। सरकारी और निजी कॉलेजों को मिलाकर। आरक्षण के बाद सामान्य वर्ग के लिए मात्र दस हजार सीटें हासिल होती थीं।

सरकारी कॉलेजों के लिए सामान्य वर्ग का कटऑफ बहुत ज़्यादा रहता है। हर किसी की क्षमता नहीं है कि निजी कॉलेजों में मेडिकल की पढ़ाई करवा सके, ऐसे में केंद्र सरकार ने नई नीति लागू की जो स्वागत योग्य है कि फीस की राशि को सीमा में बाँध दिया। इससे बहुत सारे बच्चों के लिए नई राह खुली। पर अभी भी भारत में मेडिकल की पढ़ाई के लिए कम से कम डेढ़ लाख सीटें जरूरी हैं। सीटें नहीं होने से दिक़्क़त एक बहुत बड़ी है। जब हालात से परेशान क़ाबिल बच्चों को विदेश में पढ़ाने के लिए मजबूर होकर भेजना पड़ता है तो उनके साथ होने वाले दोयम दर्जे का व्यवहार मन को कचोटता है।

विदेशी मेडिकल कॉलेज के लिए केंद्र सरकार ने NEET क्वालिफाइड की सीमा रेखा तैयार की। यह बेहद उम्दा क़दम है। हिंदुस्तान लौटने के बाद फॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट परीक्षा पास करने की अनिवार्यता भी जरूरी है। पर परीक्षा पास करने के लिए बच्चों को नए तरह के ट्रामा का शिकार होना होता है।

गौतम नगर में परीक्षा के लिए कोचिंग की व्यवस्था है पर वहाँ रहकर पढ़ाई करना भी नरक भोगने के बराबर ही है, बिटिया ने वहाँ बिना नागा किये परीक्षा दी और पहली ही बार में अच्छी सफलता हासिल की। छत्तीसगढ़ में इंटर्नशिप के लिए दाखिला मिल गया है। इस पूरी कहानी के बीच मेरा उद्देश्य बच्चों की पीड़ा को व्यक्त करना है। हर किसी के पास ऐसी सैकड़ों कहानियाँ होंगी पर हर कोई अपनी पीड़ा व्यक्त कर सके इस लायक नहीं होता है तो गश खाकर गिर जाता है। सरकार की ज़िम्मेदारी है कि चुनौतियों का पहाड़ लाँघते बच्चों के लिए उम्मीदों को बचाए रखने के लिए कम से कम NTA जैसी व्यवस्था में परीक्षा की प्रक्रिया को इस तरह से बनाए कि प्रश्न पत्र लीक से बचा रहे।

सिमटता लाल किला-वामपंथ के सामने अस्तित्व का संकट

आलोक तिवारी

केरल में वाम लोकतांत्रिक मोर्चा की हालिया चुनावी हार केवल एक राज्य की सत्ता का उलटफेर नहीं है। यह उस लाल राजनीति के देशव्यापी सिकुड़न का सबसे ताजा संकेत है, जिसने कभी भारतीय लोकतंत्र की दिशा तय करने में निर्णायक भूमिका निभाई थी। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के नेतृत्व वाली सरकार की पराजय ने साफ कर दिया है कि वामपंथ अब राष्ट्रीय विमर्श से दूर, कुछ भौगोलिक जेबों तक सीमित हो चला है।

कभी निर्णायक, आज हाशिए पर

एक दौर था जब लाल झंडा तीन राज्यों—पश्चिम बंगाल, केरल और त्रिपुरा—में शान से लहराता था। 1977 से 2011 तक पश्चिम बंगाल में 34 साल का अटूट वाम शासन विश्व रिकॉर्ड बना। 2004 के लोकसभा चुनाव में 61 सीटों के साथ वाम दल यूपीए-1 सरकार के बाहर से सबसे बड़े समर्थक थे। परमाणु करार से लेकर आर्थिक नीतियों तक, केंद्र की नीति तय करने में उनकी भूमिका थी। आज लोकसभा में वाम दलों की कुल संख्या दहाई में भी नहीं पहुंचती। पश्चिम बंगाल और त्रिपुरा से वामपंथ लगभग साफ हो चुका है। केरल आखिरी बड़ा गढ़ था, जहां अब दरार दिख रही है।

नेतृत्व का संकट

ज्योति बसु, हरकिशन सिंह सुरजीत, ईएमएस नंबूदरीपाद जैसी कद्दावर पीढ़ी के बाद वाम दल नया अखिल भारतीय चेहरा नहीं दे पाए। केरल में पी विजयन के अलावा ऐसा कोई नेता नहीं जो राष्ट्रीय स्तर पर युवा या मध्यवर्ग को आकर्षित करे। पार्टी में युवा नेतृत्व को जगह देने की प्रक्रिया बेहद धीमी रही।

उदारीकरण के बाद बदली अर्थव्यवस्था, स्टार्टअप संस्कृति और आकांक्षी युवा वर्ग के सामने वामपंथ का पारंपरिक विमर्श—सार्वजनिक क्षेत्र का प्रभुत्व, निजीकरण का विरोध—पुराना पड़ गया। 1991 के बाद दुनिया भर में वाम दलों ने खुद को बदला, पर भारत में CPI(M) का 2015 का कोलकाता प्लेनम भी सिद्धांत में बड़े बदलाव की हिम्मत नहीं जुटा पाया।

क्षेत्रीय दलों ने छीना आधार

पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की तृणमूल ने वाम का ग्रामीण गरीब और अल्पसंख्यक आधार खींच लिया। केरल में कांग्रेस नेतृत्व वाला यूडीएफ और भाजपा का बढ़ता जनाधार लगातार एलडीएफ के वोट काट रहा है। त्रिपुरा में भाजपा ने सीधे वाम के कैडर में सेंध लगाई। वाम दल भाजपा बनाम सब की लड़ाई में क्षेत्रीय दलों के लिए भी अछूत बनते गए।

CAA, धारा 370, राम मंदिर, डिजिटल इंडिया, G20—बीते 10 साल के हर बड़े राष्ट्रीय विमर्श में वाम दलों की आवाज या तो देर से आई या सिरे से नदारद रही। सोशल मीडिया और न्यू मीडिया के दौर में वाम का संवाद एकतरफा और उपदेशात्मक रहा। कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन में वाम से जुड़े किसान संगठनों की भूमिका अहम थी, पर उसका चुनावी लाभ समाजवादी या क्षेत्रीय दल ले गए।

यह विरोधाभास है कि CPI, CPI(M), CPI(ML) का कैडर आज भी सबसे अनुशासित है। जेएनयू से लेकर मजदूर यूनियनों तक, छात्र आंदोलनों से लेकर फैक्ट्री गेट तक, वाम की मौजूदगी दिखती है। शहीन बाग से किसान आंदोलन तक, वाम कार्यकर्ता जमीन पर दिखे। पर यह सड़क की ताकत वोट में नहीं बदलती। कारण साफ है—जनता आंदोलनकारी चरित्र की इज्जत तो करती है, पर सरकार चलाने के लिए उसे डिलीवरी करने वाली ताकत चाहिए।

वामपंथ का अवमूल्यन करना ऐतिहासिक भूल होगी। भूमि सुधार, बटाईदारी कानून, शिक्षा और स्वास्थ्य में सार्वजनिक निवेश, मजदूरों के लिए न्यूनतम वेतन, मनरेगा जैसी योजनाओं की वैचारिक जमीन वाम दलों ने ही तैयार की। केरल का मानव विकास सूचकांक आज भी देश में सर्वश्रेष्ठ है, जिसमें दशकों के वाम शासन की भूमिका है। पर राजनीति में सिर्फ इतिहास के बही-खातों से चुनाव नहीं जीते जाते।

वामपंथ आज चौराहे पर है। उसके पास तीन विकल्प हैं। पहला निजी क्षेत्र, बाजार और यह कि उद्यमिता को पूरी तरह खारिज करने के बजाय रेगुलेटेड कैपिटलिज्म और सामाजिक सुरक्षा के यूरोपीय मॉडल पर विमर्श करे। चीन और वियतनाम की कम्युनिस्ट पार्टियों ने बाजार से समझौता कर सत्ता बचाई है।

दूसरा, अकेले चलने की जिद छोड़कर भाजपा-विरोधी मोर्चे में सम्मानजनक पर व्यावहारिक भूमिका स्वीकारे। 2004 जैसा दबाव समूह बनने के लिए कम से कम 25-30 सीटें जरूरी हैं।

तीसरा यह कि जलवायु न्याय, डिजिटल श्रमिकों के अधिकार, गिग इकोनॉमी, डेटा निजता—ये 21वीं सदी के मजदूर आंदोलन के मुद्दे हैं। वाम यदि इन्हें अपना ले तो युवा जुड़ेगा। वरना ट्रेड यूनियन और धरना की छवि से बाहर नहीं निकल पाएगा।

लिहाजा राजनीति में स्थायी कुछ नहीं होता। कांग्रेस 1984 में 415 सीटों से 2014 में 44 पर आई, फिर वापसी की कोशिश में है। वामपंथ के पास भी वापसी का मौका है, पर इसके लिए उसे आत्ममंथन से आगे जाकर आत्म-परिवर्तन करना होगा। केरल की हार खतरे की घंटी है। यदि वाम दल इसे सिर्फ साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण या धनबल की हार बताकर संतोष कर लेंगे, तो अगला चुनाव आखिरी गढ़ भी छीन सकता है।

लाल झंडे को नए दौर की हवा पहचाननी होगी। विचारधारा की पवित्रता बचाने के चक्कर में यदि जमीन ही न बचे, तो झंडा कहां गाड़ेंगे? वामपंथ के लिए अब सवाल सत्ता का नहीं, अस्तित्व का है। और इतिहास गवाह है—जो समय के साथ नहीं बदलते, समय उन्हें बदल देता है।

चंपारण्य : भक्ति, आस्था और आध्यात्मिक चेतना की पावन धरती

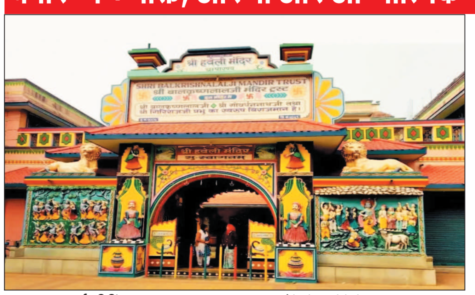

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

चंपारण्य धाम छत्तीसगढ़ की धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपरा का एक ऐसा पावन केंद्र है, जहां भक्ति, इतिहास और प्रकृति का अद्भुत संगम देखने को मिलता है। धार्मिक नगरी राजिम के समीप स्थित यह धाम महान वैष्णव संत महाप्रभु वल्लभाचार्य की जन्मस्थली के रूप में पूरे देश में प्रसिद्ध है। आध्यात्मिक ऊर्जा से भरपूर यह स्थान वर्षभर श्रद्धालुओं और पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है।

महाप्रभु वल्लभाचार्य वैष्णव संप्रदाय और विशेष रूप से गुजरात के श्रद्धालुओं के लिए चंपारण्य का अत्यंत विशेष महत्व है। महाप्रभु वल्लभाचार्य पुष्टिमार्ग के प्रवर्तक माने जाते हैं और गुजरात में उनके अनुयायियों की संख्या बहुत अधिक है। श्रीनाथजी और कृष्ण भक्ति से जुड़े वैष्णव समाज के लिए चंपारण्य तीर्थ के समान माना जाता है। यही कारण है कि गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र और देश के अन्य राज्यों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां दर्शन और पूजा-अचर्ना के लिए पहुंचते हैं। कई वैष्णव परिवार अपने जीवन में कम से कम एक बार चंपारण्य धाम की यात्रा को अत्यंत शुभ मानते हैं।

महाप्रभु वल्लभाचार्य के जन्म से जुड़ी कथा भी अत्यंत रोचक और आस्था से परिपूर्ण है। मान्यता के अनुसार उनके माता-पिता दक्षिण भारत से काशी की यात्रा पर निकले थे। उस समय देश में राजनीतिक अस्थिरता और आक्रमणों का दौर था। यात्रा के दौरान वे वर्तमान चंपारण्य क्षेत्र में पहुंचे, जहां घने जंगल और शांत वातावरण था। इसी स्थान पर उनकी माता को प्रसव पीड़ा हुई और एक शमी वृक्ष के नीचे बालक का जन्म हुआ। कहा जाता है कि बालक जन्म के समय निश्चेष्ट प्रतीत हो रहा था, इसलिए माता-पिता ने उसे ईश्वर की इच्छा मानकर वहीं सुरक्षित स्थान पर छोड़ दिया। बाद में रात्रि में उन्हें स्वप्न में भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन हुए और बताया गया कि बालक दिव्य स्वरूप है। जब वे वापस लौटे तो उन्होंने देखा कि बालक अग्नि मंडल से सुरक्षित घिरा हुआ है। यही बालक आगे चलकर महाप्रभु वल्लभाचार्य के रूप में प्रसिद्ध हुए और उन्होंने भक्ति आंदोलन को नई दिशा प्रदान की।

महाप्रभु वल्लभाचार्य ने वैष्णव भक्ति परंपरा में पुष्टिमार्ग की स्थापना की। उनके उपदेशों में प्रेम, सेवा, समर्पण और भगवान श्रीकृष्ण के प्रति अनन्य भक्ति का संदेश निहित है। उन्होंने समाज को सहज भक्ति और मानवता का मार्ग दिखाया। यही कारण है कि चंपारण्य धाम आज भी वैष्णव संप्रदाय के अनुयायियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण तीर्थस्थल माना जाता है।

चंपारण्य नाम के पीछे भी एक ऐतिहासिक मान्यता जुड़ी हुई है। कहा जाता है कि प्राचीन समय में यह क्षेत्र चंपा के वृक्षों से आच्छादित था, जिसके कारण इसका नाम चंपारण्य पड़ा। आज भी यहां का हरित और शांत वातावरण श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक शांति का अनुभव कराता है।

चंपारण्य स्थित मंदिर अपनी प्राचीन वास्तुकला और धार्मिक महत्व के कारण विशेष आकर्षण का केंद्र है। मंदिर परिसर में महाप्रभु वल्लभाचार्य की प्रतिमा स्थापित है। यहां भगवान श्रीकृष्ण, श्रीनाथजी और वैष्णव परंपरा से जुड़े अन्य पूजनीय स्वरूपों की पूजा-अचर्ना की जाती है। मंदिर परिसर में महाप्रभु की बैठक, चरणचिह्न, साधना स्थल और यज्ञशाला श्रद्धालुओं के लिए विशेष श्रद्धा के केंद्र हैं। यहां प्रतिदिन पूजा-अचर्ना, आरती, भजन-कीर्तन और धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए जाते हैं। देशभर से आने वाले श्रद्धालु यहां दर्शन कर आत्मिक शांति और आध्यात्मिक अनुभूति प्राप्त करते हैं।

महाप्रभु वल्लभाचार्य जयंती के अवसर पर चंपारण्य धाम में विशेष धार्मिक उत्सव आयोजित किए जाते हैं। इस दौरान हजारों श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं और पूरा वातावरण भक्ति एवं श्रद्धा से सराबोर हो उठता है। भजन, संकीर्तन, कथा और धार्मिक प्रवचनों के साथ यहां छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति और पारंपरिक जीवन शैली की सुंदर झलक भी देखने को मिलती है।

चंपारण्य धाम केवल धार्मिक दृष्टि से ही महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि यह छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत और आध्यात्मिक पहचान का भी जीवंत प्रतीक है। राजिम, सिरपुर और अन्य धार्मिक स्थलों के साथ यह स्थान प्रदेश के धार्मिक पर्यटन को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यहां आने वाले पर्यटक छत्तीसगढ़ की सादगी, लोक संस्कृति, ग्रामीण जीवन और आतिथ्य का अनुभव भी करते हैं।

रायपुर से लगभग 50 किलोमीटर की दूरी पर स्थित चंपारण्य सड़क मार्ग से आसानी से पहुंचा जा सकता है। रायपुर, अभनपुर और राजिम से यहां नियमित बस एवं निजी वाहन सुविधा उपलब्ध है। निकटतम रेलवे स्टेशन रायपुर तथा निकटतम हवाई अड्डा स्वामी विवेकानंद विमानतल है। ऐतिहासिक महत्व से समृद्ध चंपारण्य धाम आज भी श्रद्धालुओं को सेवा, समर्पण और भक्ति का संदेश दे रहा है। यह पावन स्थल छत्तीसगढ़ की धार्मिक पहचान, सांस्कृतिक गौरव और आध्यात्मिक चेतना का एक महत्वपूर्ण प्रतीक बना हुआ है।

कलेक्टर जितेन्द्र ने राजस्व निरीक्षकों की ली बैठक, 15 जून तक सीमांकन पूरे करने के दिए निर्देश

नक्शा बटांकन में धीमी प्रगति पर जताई नाराजगी, स्वामित्व योजना में तेजी लाने को कहा

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिले के सभी राजस्व निरीक्षकों की बैठक लेकर राजस्व कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने सीमांकन, स्वामित्व योजना, नक्शा बटांकन, नामांतरण और बंटवारा प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए।

238 सीमांकन प्रकरण लंबित

बैठक में बताया गया कि जिले में सीमांकन के कुल 1,440 प्रकरण दर्ज हैं। इनमें से 1,202 का निराकरण हो चुका है और 238 प्रकरण शेष हैं। कलेक्टर ने शेष प्रकरणों को 15 जून 2026 तक अनिवार्य रूप से पूरा करने को कहा। उन्होंने कहा कि त्वरित सीमांकन से लोगों की भूमि संबंधी समस्याएं सुलझेंगी और विवाद कम होंगे।

स्वामित्व योजना : हर तहसील से 10 गांवों के प्रकरण तैयार करें

कलेक्टर ने स्वामित्व योजना की समीक्षा करते हुए हर तहसील से 10-10 गांवों के प्रकरण तैयार कर अधिकार अभिलेख निर्माण और वितरण की कारर्वाई सुनिश्चित करने को कहा। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में संपत्ति का रिकॉर्ड व्यवस्थित होगा और नागरिकों को सुविधा मिलेगी।

नक्शा बटांकन में 71.58% प्रगति पर नाराजगी

नक्शा बटांकन में जिले की 71.58 प्रतिशत प्रगति पर कलेक्टर ने नाराजगी जताई। उन्होंने अधिकारियों को काम में तेजी लाकर लंबित प्रकरण जल्द निपटाने के निर्देश दिए। कहा कि राजस्व के मामले सीधे आम लोगों से जुड़े हैं, इसलिए संवेदनशीलता और जिम्मेदारी से गुणवत्तापूर्ण निराकरण करें। बैठक में अपर कलेक्टर सीएल मारकण्डेय, प्रेमप्रकाश शर्मा, डिप्टी कलेक्टर विश्वास कुमार, राजस्व निरीक्षक व अन्य अधिकारी मौजूद थे।

अवैध रेत भण्डारण पर की गई कड़ी कार्रवाई

राजनांदगांव। कलेक्टर जितेन्द्र यादव के निर्देशानुसार जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, भण्डारण एवं परिवहन के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में आज राजस्व एवं खनिज विभाग की संयुक्त टीम ने राजनांदगांव विकासखंड अंतर्गत ऑक्सीजन जोन भंवरमरा में अवैध रेत भण्डारण के मामले में बड़ी कार्रवाई की। संयुक्त टीम द्वारा मौके पर जांच के दौरान पाया गया कि अविनाश सोनी द्वारा शिवनाथ नदी से अवैध रूप से रेत निकालकर भण्डारित किया गया था।

खास खबर

सीबीएसई 12वीं बोर्ड में गुरुकुल के विद्यार्थियों ने मारी बाजी

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

गुरूकुल पब्लिक स्कूल, कवर्धा के विद्याथियों ने केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की कक्षा 12 वीं की परीक्षा 2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कक्षा 12वीं में कुल 82 विद्यार्थियों में से 67 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण हुए। बारहवी में वाणिज्य संकाय में छात्र अनंत कुमार जैन 95 प्रतिशत अंक अर्जित कर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया, विधि अग्रवाल 93.4 प्रतिशत के साथ द्वितीय स्थान पर आस्था शुक्ला 92.2 प्रतिशत के साथ तृतीय स्थान पर रहे। कक्षा बारहवी में विज्ञान संकाय में प्रणव तिवारी 93.8 प्रतिशत अंक अर्जित कर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया, प्रितम मण्डल 92.8, शिक्षा गोस्वामी 92.8 प्रतिशत के साथ द्वितीय स्थान पर एवं रूचि रोडेसकर 87.2 प्रतिशत के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया।

विद्यालय के प्रबंध समिति ने बतलाया कि विद्यालय के सभी विषयों के शिक्षकों ने अपनी कड़ी मेहनत एवं मार्गदर्शन के साथ छात्र-छात्राओं की विशेष सहभागिता से प्राप्त इस उपलब्धि पर अपार हर्ष व्यक्त किया है। इस उत्कृष्ट परिणाम हेतु प्राचार्य ने सभी शिक्षकों तथा विद्यार्थियों को बधाई देते हुए प्रसन्नता व्यक्त की एवं कहा कि यह विद्यार्थीयों के उचित मार्ग दर्शन में पढ़ाई करने का सुपरिणाम है। भविष्य में भी विद्यालय के विद्यार्थी इसी प्रकार और इससे अच्छा प्रदर्शन कर शाला एवं जिले को राज्य स्तर पर गौरवान्वित करते रहेंगे। संस्था के अध्यक्ष एवं संचालको ने सफल छात्र-छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है तथा विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं को उनके उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम देने के लिए बधाई दी।

शासकीय मेडिकल कॉलेज पेण्ड्री को उन्नत चिकित्सा उपकरण किया प्रदान, स्वास्थ्य सुविधाओं में होगी बढ़ोत्तरी

राजनांदगांव। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने सीएसआर मद अंतर्गत लगभग 8 लाख रूपए की लागत से शासकीय मेडिकल कॉलेज पेण्ड्री को उन्नत चिकित्सा उपकरण प्रदान किया। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने हरी झंडी दिखाकर उपकरण से भरे वाहन को रवाना किया। शासकीय मेडिकल कॉलेज पेण्ड्री में जनमानस को अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में उन्नत चिकित्सा उपकरण महत्वपूर्ण साबित होगा। जिसमें ब्लड डोनर काउच, पोर्टेबल ब्लड डोनर चेयर, आरओ विथ वॉटर कूलर 120 लीटर, आरओ डोमेस्टिक एण्ड कमर्शियल 25 लीटर, व्हीलचेयर, स्ट्रेचर, क्रैश कार्ट ट्राली, पोर्टेबल ईसीजी मशीन, एमरजेंसी पेशेंट ट्राली, हॉस्पिटल क्यू मैनेजमेंट सिस्टम, लैब्रोटरी सर्टिफ्यूज, सेमीऑटोमेटेड बॉयो कैमेस्ट्री एनालाईजर, कोग्लूमिटर, हॉट एयर ओवन दिया गया। इस अवसर पर महापौर मधुसूदन यादव, राजगामी संपदा न्यास की अध्यक्ष श्रीमती पूणिर्मा साहू, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती देवकुमारी साहू, कोमल सिंह राजपूत, कलेक्टर जितेन्द्र यादव, आईडीबीआई बैंक के ब्रांच मैनेजर मयंक मित्तल, एजीएम भिलाई क्षेत्र जसमीत सिंह भाटिया, डीजीएम भिलाई अनुप विश्वकर्मा, चिकित्सक डॉ. चंद्रकिशोर इंदौरिया, लीड बैंक मैनेजर मोनिष शर्मा एवं अन्य जनप्रतिनिधि तथा अधिकारी उपस्थित रहे।

निर्माण कार्यों में देरी पर कलेक्टर सख्त पोड़ी बायपास के ठेकेदार को शो कॉज

पीएम आवास और पीएम जनमन पर फोकस

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

कलेक्टर गोपाल वर्मा ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक में विभिन्न विभागों के कार्यों और योजनाओं की समीक्षा की। बैठक के दौरान निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए उन्होंने पोड़ी बायपास निर्माण में हो रही देरी पर गहरी नाराजगी जताई और संबंधित ठेकेदार को शो कॉज नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

अधूरे कार्य जल्द पूरा करने के कलेक्टर ने दिए निर्देश

कलेक्टर ने सभी निर्माण एजेंसियों को स्पष्ट रूप से कहा कि निर्माण कार्यों में अनावश्यक देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को नियमित फील्ड मॉनिटरिंग कर प्रगति रिपोर्ट तैयार करने तथा जहां भी समस्या आए वहां संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित कर कार्य सुचारू रूप से जारी रखने के निर्देश दिए। बैठक में पीडब्ल्यूडी, पीएमजीएसवाय, एमएमजीएसवाय, आरईएस और पीएचई के अंतर्गत संचालित परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई।

बैठक में पीएम जनमन और पीएम आवास योजनाओं की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा कि पूरा फोकस प्रगतिरत आवासों को शीघ्र पूर्ण कराने और स्वीकृत आवासों में निर्माण कार्य प्रारंभ कराने पर होना चाहिए। उन्होंने नगरीय निकायों में संचालित निर्माण कार्यों की स्थिति की भी जानकारी ली। कलेक्टर ने आयुष्मान भारत और वय वंदन योजना के तहत लक्ष्यपूर्ति में तेजी लाने के निर्देश मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को दिए।

जनगणना मकान सूचीकरण 30 मई तक, मॉनिटरिंग बढ़ाने पर जोर

जनगणना 2026 के अंतर्गत चल रहे मकान सूचीकरण कार्य की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि शहरी और ग्रामीण चार्ज के सभी हाउस लिस्टिंग ब्लॉकों में सूचीकरण का कार्य 30 मई तक पूर्ण किया जाना है। उन्होंने बताया कि कई क्षेत्रों में कार्य पूर्ण हो चुका है, जबकि शेष क्षेत्रों में कार्य प्रगतिरत है। उन्होंने सुपरवाइजरों को नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूरा हो सके। कलेक्टर ने यह भी निर्देश दिए कि सूचीकरण कार्य के दौरान प्रगणकों को कहीं भी समस्या आने पर तत्काल सूचना दी जाए, ताकि उसका शीघ्र निराकरण किया जा सके।

बैठक में सुशासन तिहार के अंतर्गत आयोजित समाधान शिविरों में प्राप्त आवेदनों के निराकरण की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने सभी विभागों को निर्देशित किया कि शिविरों में प्राप्त आवेदनों का निराकरण पूरी तेजी के साथ किया जाए। बैठक में जिला पंचायत सीईओं अभिषेक अग्रवाल, अपर कलेक्टर विनय पोयाम, नरेन्द्र पैकरा, बोड़ला एसडीएम सागर सिंह राज, डिप्टी कलेक्टर आरबी देवांगन सहित जिला अधिकारी उपस्थित थे।

शासन तिहार : नारी अभियान हुआ शुरू, समाधान शिविरों में स्वास्थ्य जांच का मिल रहा लाभ

कवर्धा। छत्तीसगढ़ में चल रहे सुशासन तिहार के समाधान शिविर सिर्फ लोगों की समस्याओं के निराकरण ही नहीं बल्कि दूरस्थ वनांचल क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने का माध्यम भी बन रहे है। इसी क्रम में कबीरधाम जिले के आकांक्षी विकासखंड बोड़ला में राज्य शासन और नीति आयोग के संयुक्त तत्वावधान में स्वस्थ नारी अभियान की शुरुआत की गई है। सुशासन तिहार शिविरों के माध्यम से संचालित इस अभियान का उद्देश्य महिलाओं एवं किशोरियों में एनीमिया की पहचान कर समय पर उपचार और जागरूकता सुनिश्चित करना है। शिविरों में महिलाओं और किशोरियों की नि:शुल्क एवं त्वरित हीमोग्लोबिन जांच की जा रही है। जांच के बाद जरूरत अनुसार उपचार, रेफरल, आयरन फोलिक एसिड टेबलेट्स का वितरण तथा पोषण और जीवनशैली संबंधी परामर्श भी दिया जा रहा है।

4 मई 2026 को झलमला से प्रारंभ हुए इस अभियान के तहत अब तक तीन स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जा चुके हैं। इन शिविरों में लगभग 320 महिलाओं एवं किशोरियों की हीमोग्लोबिन जांच की गई है। स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने महिलाओं को एनीमिया के लक्षण, बचाव और संतुलित आहार के महत्व के बारे में भी जानकारी दी। डॉक्टरों ने महिलाओं को आयरन फोलिक एसिड टेबलेट्स के नियमित सेवन की सलाह देते हुए स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने की अपील की। शिविरों में कई महिलाओं ने पहली बार अपनी हीमोग्लोबिन जांच कराई, जिससे स्वास्थ्य समस्याओं की प्रारंभिक पहचान संभव हो सकी। सुशासन तिहार के माध्यम से शासन का प्रयास है कि वनांचल और दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले लोगों तक बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाएं सीधे पहुंचें। स्वस्थ नारी अभियान इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जो महिलाओं और किशोरियों के स्वास्थ्य सुधार के साथ जागरूकता बढ़ाने का भी कार्य कर रहा है।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने विकास कार्यो हेतु 51 लाख रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति दी

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह द्वारा आज अपने निवास कार्यालय में विभिन्न हितग्राहियों को मुख्यमंत्री आर्थिक सहायता राशि के चेक वितरित किया गया तथा क्षेत्र के विकास कार्यों के लिए प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सिंह ने डोंगरगांव विकासखंड के ग्राम नादिया में कबीर साहेब द्वार कार्य हेतु मुख्यमंत्री घोषणा अंतर्गत 40 लाख रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की तथा कबीर साहेब मठ ट्रस्ट नादिया विकासखंड डोंगरगांव को मुख्यमंत्री आर्थिक सहायता राशि के तहत 11 लाख रूपए की स्वीकृति दी।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सिंह ने खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करते हुए राजनांदगांव की अंतर्राष्ट्रीय वेटलिफ्टिंग खिलाड़ी ज्ञानेश्वरी यादव को अंतर्राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता में शामिल होने की तैयारी के लिए 5 लाख रूपए की मुख्यमंत्री आर्थिक सहायता राशि का चेक प्रदान किया। इसी प्रकार अन्य हितग्राहियों को भी मुख्यमंत्री आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत कर चेक वितरण किया गया। जिसमें ग्राम आलीखुंटा निवासी नोमेश कुमार साहू, गोदावरी बाई, नम्मूलाल साहू को 30-30 हजार रूपए की सहायता राशि का चेक प्रदान किया गया। किलापारा राजनांदगांव पूनम सोनी को शिक्षा हेतु 10 हजार रूपए तथा राजनांदगांव निवासी संतोष सोनी को इलाज हेतु 10 हजार रूपए की मुख्यमंत्री आर्थिक सहायता राशि का चेक प्रदान किया गया। इस अवसर पर महापौर मधुसूदन यादव, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती देवकुमारी साहू, अध्यक्ष राजगामी संपदा न्यास श्रीमती पुणिर्मा साहू, कोमल सिंह राजपूत, कलेक्टर जितेन्द्र यादव, अपर कलेक्टर सीएल मारकण्डेय सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

भारत की जनगणना 2027 के लिए जागरूकता रथ रवाना, कलेक्टर गोपाल वर्मा ने दिखाई हरी झंडी

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी गोपाल वर्मा ने आज जिला कार्यालय परिसर से भारत की जनगणना 2027 के प्रथम चरण मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह जागरूकता रथ जिले के 08 ग्रामीण एवं 07 नगरीय चार्ज क्षेत्रों में भ्रमण कर आम नागरिकों को जनगणना के महत्व, प्रक्रिया एवं सहभागिता के संबंध में जागरूक करेगा। इस अवसर पर अपर कलेक्टर नरेन्द्र पैकरा सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी गोपाल वर्मा ने कहा कि जनगणना देश की सबसे महत्वपूर्ण प्रशासनिक एवं सांख्यिकीय प्रक्रिया है। उन्होंने

जिलेवासियों से अपील करते हुए कहा कि सभी नागरिक जनगणना कार्य में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करें तथा प्रगणकों को सही एवं पूर्ण जानकारी उपलब्ध कराएं।

उन्होंने बताया कि भारत की जनगणना 2027 का प्रथम चरण मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना से संबंधित है, जिसमें प्रत्येक मकान, भवन एवं उससे जुड़ी मूलभूत सुविधाओं का विवरण संकलित किया जाएगा। इसके माध्यम से ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों की वास्तविक स्थिति का आकलन कर योजनाओं को अधिक प्रभावी ढंग से संचालित किया जा सकेगा। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि जनगणना के दौरान नागरिकों द्वारा दी गई समस्त जानकारी पूर्णतः गोपनीय रखी जाएगी तथा इसका उपयोग केवल सांख्यिकीय उद्देश्यों के लिए किया जाएगा।

कबीरधाम जिले में 1 जुलाई से लागू होगी 'विकसित भारत जी राम जी' योजना

विकसित भारत का रोड मैप तैयार, ग्रामीण परिवारों को मिलेगा अब 125 दिनों का रोजगार

नई दृष्टिबिंदु / कबीरधाम

विकसित भारत से विकसित ग्राम का रोड मैप बनाने के लिए केंद्र सरकार द्वारा विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन वीबी जी राम जी अधिनियम 2025 को पूरे देश में 1 जुलाई 2026 से लागू करने के लिए अधिसूचना जारी कर दी गई है। इसी के साथ कबीरधाम जिले के सभी 471 ग्राम पंचायतो में वीबी जी राम जी योजना लागू हो जाएगा और ग्रामीणों का इसका लाभ मिलने लगेगा।

नई व्यवस्था के अंतर्गत ऐसे ग्रामीण जो अकुशल शारीरिक श्रम करने के इच्छुक हो उनकी मांग पर 125 दोनों का रोजगार प्रदाय किया जाएगा। वतर्मान में ग्रामीणों के पास

मौजूदा जॉब कार्ड मान्य होंगे और जो निर्माण कार्य ग्राम पंचायत में चल रहे हैं वह लगातार होते रहेंगे। नए अधिनियम अंतर्गत कार्यों की स्वीकृति 1 जुलाई से होगी जिसमें जल संरक्षण प्राकृतिक संसाधनों का प्रबंध आजीविका और स्थाई परिसंपत्तियों के निर्माण जैसे अनेक प्रकार के कार्यों से ग्रामीण क्षेत्रो का विकास होगा। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार द्वारा इस नए ऐतिहासिक अधिनियम को पूरे देश में लागू करने के लिए ऐतिहासिक बजट आवंटन किया है जिसके साथ राज्यों के भी अपने-अपने अंशदान जुड़ेंगे। योजना अंतर्गत प्रशासनिक व्यय को 6% से बढ़ाकर 9% कर दिया गया है। वतर्मान में महात्मा गांधी नरेगा में जो कार्य चल रहे हैं उसे 15 जून तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। तत्पश्चात 1 जुलाई से नई योजना द्वारा ग्राम पंचायतो के विकास कार्य प्रारंभ होंगे और ग्रामीणों को रोजगार उपलब्ध होगा।

नई योजना में रोजगार की मांग और स्थानीय आवश्यकताओं का बेहतर तालमेल : कलेक्टर

विकसित भारत जी राम जी लागू होने के संबंध में जानकारी देते हुए कलेक्टर कबीरधाम गोपाल वर्मा ने बताया कि जिले में इसकी तैयारी कर ली गई है। नए अधिनियम अनुसार कार्यों को 1 जुलाई से स्वीकृत किया जाएगा। पहले की अपेक्षा अब ग्रामीण परिवारों को 125 दोनों का रोजगार मिलेगा। मजदूरों का भुगतान पहले की भांति डीबीटी के द्वारा बैंक या डाकघर में उनके बचत खाते से होगा। मजदूरी का भुगतान साप्ताहिक आधार पर अथवा मास्टर रोल बंद होने के अधिकतम 15 दिनों के भीतर किया जाएगा। यदि समय पर मजदूरी भुगतान नहीं होने के कारण श्रमिक विलंब क्षतिपूर्ति के लिए पात्र होंगे। कलेक्टर ने आगे बताया कि वतर्मान में महात्मा गांधी नरेगा अंतर्गत चल रहे कार्य को 15 जून तक पूर्ण किया जाना है। नई योजना में रोजगार की मांग, स्थानीय आवश्यकता एवं आजीविका संवर्धन के कार्यों को प्राथमिकता से करने की योजना बनाई गई है ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में समग्र रूप से विकास का कार्य हो सके।

नई योजना से समाज के सभी वर्गों को मिलेगा लाभ : सीईओ

मुख्य कायर्पालन अधिकारी जिला पंचायत कबीरधाम अभिषेक अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि जल संरक्षण गांवो में अधोसंरचना विकास, सड़क, पुल-पुलिया, स्कूल, आंगनबाड़ी भवन, खेतों से जुड़े जरूरी काम एवं आजीविका मूलक कार्य कराया जा सकेंगे। वतर्मान में ई-केवाईसी सत्यापित मनरेगा जॉब कार्ड, ग्रामीण रोजगार गारंटी कार्ड जारी होने तक नए योजना अन्तर्गत मान्य रहेंगे। जिन श्रमिकों के पास जॉब कार्ड नहीं है वह ग्राम पंचायत स्तर पर पंजीकरण हेतु आवेदन कर सकते हैं।

शासकीय आईटीआई कवर्धा में कल प्लेसमेंट कैंप का आयोजन

कवर्धा। जिला कबीरधाम के शिक्षित युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था (आईटीआई) कवर्धा में दिनांक 15 मई 2026, दिन शुक्रवार को प्रात: 10.30 बजे से प्लेसमेंट कैंप का आयोजन किया जाएगा। इस प्लेसमेंट कैंप में निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनी वी जी ऑटो प्राइवेट लिमिटेड गुजरात द्वारा विभिन्न पदों पर भर्ती के लिए योग्य अभ्यथियों का चयन किया जाएगा। प्लेसमेंट कैंप में 10वीं, 12वीं, स्नातक, आईटीआई (किसी भी व्यवसाय से) एवं डिप्लोमा उत्तीर्ण प्रशिक्षणार्थी एवं अभ्यर्थी भाग ले सकेंगे। चयनित अभ्यथियों को निजी क्षेत्र में रोजगार प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। संस्था प्रबंधन द्वारा बताया गया है कि इच्छुक एवं योग्य अभ्यर्थी अपने समस्त शैक्षणिक प्रमाण-पत्र, अंकसूची, आधार कार्ड, पासपोर्ट साइज फोटो, बायोडाटा एवं अन्य आवश्यक दस्तावेजों की मूल एवं छायाप्रति के साथ निर्धारित तिथि एवं समय पर प्लेसमेंट कैंप में उपस्थित हों।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग

-:: ईश्तहार ::-

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस न्यायालय का रा.प्र.क्रं. -शालिनी साहू आ./ध.प. स्व. जितेन्द्र कुमार साहू निवासी-सुन्दर नगर कोहका भिलाई तह. दुर्ग व जिला दुर्ग द्वारा ग्राम-कोहका प.ह.नं. 45 रा.नि.मं. कोहका व जिला दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि खसरा नं. 3222 रकबा 0.020 हे. है। जो भूमिस्वमी देवीराम साहू आ. मोतीराम साहू के नाम पर दर्ज है। जिसमें भूमिस्वामी देवीराम साहू की मृत्यु दिनांक 23/01/2015 को फौत हो जाने के कारण मृतक का नाम खाते से विलोपित कर उसके वैध वारिसानो का नाम दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उपरोक्त भूमि फौती नामांतरण किये जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 15/05/2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 28/04/2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

देश के सबसे बड़े आर्थिक संकट की कहानी लेकर आ रहे मनोज बाजपेयी

मनोज बाजपेयी की आगामी फिल्म 'गवर्नर' का टीजर रिलीज किया गया है। यह फिल्म 1990 के दशक के भारत के सबसे बड़े आर्थिक संकट पर आधारित है। मनोज बाजपेयी ने फिल्म में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर की भूमिका निभाई है। उनका किरदार आरबीआई के तत्कालीन गवर्नर एस. वेंकटरमणन के जीवन से प्रेरित है।

टीजर में क्या है?

मनोज बाजपेयी के जन्मदिन पर 'द साइलेंट सेवियर गवर्नर' का पोस्टर सामने आने के बाद से ही इसे लेकर काफी चर्चा है। अब मेकर्स ने इसका दमदार टीजर भी जारी कर दिया है, जो बेहद दिलचस्प मालूम पड़ता है। फिल्म सच्ची घटनाओं पर आधारित है और 1990 के दशक में भारत के सबसे बड़े आर्थिक संकट (इकोनॉमिक मेल्टडाउन) की कहानी को सामने लाती है। फिल्म में मनोज बाजपेयी पहली बार आरबीआई गवर्नर के किरदार में नजर आएंगे। टीजर में 1990 के समय की कहानी को दिखाया गया है, जब देश पर आर्थिक संकट आया था। उसके बाद कैसे एक आरबीआई गवर्नर ने एक साइलेंट सेवियर की भूमिका निभाते हुए देश को इस आर्थिक संकट से उबारा था। टीजर में मनोज बाजपेयी के अलावा अदा शर्मा और फिल्म की बाकी कास्ट की भी हल्की सी झलक देखने को मिलती है। मनोज बाजपेयी की 'गवर्नर' 12 जून को सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है।

'द केरल स्टोरी' के मेकर्स ने किया है निर्माण

विपुल अमृतलाल शाह द्वारा निर्मित 'गवर्नर' को मराठी सिनेमा के पावर-परफॉर्मर चिन्मय मांडलेकर ने निर्देशित किया है। फिल्म में मनोज बाजपेयी के साथ अदा शर्मा प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म की कहानी सुवेंदु भट्टाचार्जी, सौरभ भारत, रवि असरानी और विपुल अमृतलाल शाह ने लिखी है। फिल्म में जावेद अख्तर के गीत और अमित त्रिवेदी का संगीत है।

आज के लिए नहीं बल्कि, भविष्य की विरासत के लिए काम करना चाहती हूं

अभिनेत्री अनन्या पांडे इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'चांद मेरा दिल' को लेकर लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। अनन्या ने हाल ही में अपने करियर और भविष्य की योजनाओं को लेकर खुलकर बात की। अभिनेत्री ने बुधवार को इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट की। इसमें उन्होंने बताया कि वह अपने करियर को किस दिशा में लेना जाना चाहती हैं। अनन्या कहती हैं, 'मुझे लगता है कि मैंने अभी तो बस शुरुआत की है, लेकिन ऐसी बहुत सी फिल्में और बेहतरीन कलाकार हैं, जिनके साथ काम करना मेरा सपना है।' अभिनेत्री ने बताया कि उनके पास योजनाओं की एक लंबी लिस्ट है और वह इंडस्ट्री में बहुत कुछ हासिल करना चाहती हैं। उन्होंने अपनी बातें शेयर करते हुए कहा कि वह अब एक कदम और आगे बढ़ाना चाहती हैं। अभिनेत्री का उद्देश्य अब एक ऐसी फिल्में बनाना है, जो लंबे समय तक दर्शकों के दिलों में बसी रहें।

उन्होंने कहा, 'मैं कुछ ऐसा प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना चाहती हूं, जिसे हमेशा याद रखा जाए और जो मेरे बाद भी दुनिया में बना रहे।' अनन्या ने माना कि उम्र और अनुभव के साथ फिल्मों के प्रति उनका लगाव और गहरा होता जा रहा है। उन्होंने बताया, 'फिल्मों को अब मैं लंबे समय तक चलने के नजरिए से देख रही हूं, क्योंकि मुझे अब समझ आ रहा है कि फिल्में कितनी प्रभावशाली होती हैं और वे हमेशा के लिए अमर हो जाती हैं। मैं आज के लिए नहीं, बल्कि भविष्य की विरासत के लिए काम करना चाहती हूं।' अभिनेत्री लक्ष्य लालवानी के साथ जल्द ही फिल्म 'चांद मेरा दिल' में नजर आएंगी। यह एक कॉलेज रोमांस से शुरू होकर एक इंटेंस और ट्रैजिक लव स्टोरी में बदलती है, जो युवाओं के जुनून भरे प्यार को दर्शाती है। विवेक सोनी द्वारा निर्देशित फिल्म 'चांद मेरा दिल' का निर्माण करण जौहर की धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले किया गया है। फिल्म में अनन्या पांडे 'चांदनी' और लक्ष्य 'आरव' के रूप में नजर आएंगे। 'चांद मेरा दिल' 22 मई सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

लोकप्रिय सीरीज़ 'गुल्लक 5' हेली शाह की एंट्री

लोकप्रिय अभिनेत्री हेली शाह अब टीवीएफ की बेहद पसंदीदा सीरीज़ 'गुल्लक' के सीज़न 5 में नजर आने वाली हैं। मिडिल क्लास भारतीय परिवार की सादगी, अपनेपन और रोजमर्रा की चुनौतियों को खूबसूरती से दिखाने वाली इस सीरीज़ ने पिछले कुछ वर्षों में दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई है। फिलहाल मिश्रा परिवार की भावुक और मजेदार कहानियों से जुड़ाव महसूस करने वाले फैंस अब नए सीज़न का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं। हेली शाह, जिन्होंने अपने अभिनय से दर्शकों का दिल जीता है, इससे पहले भी 'गुल्लक' की दुनिया में अपनी मौजूदगी दर्ज करा चुकी हैं। उनके किरदार को दर्शकों ने काफी भी पसंद किया था, खासकर उनकी सादगी और शो की नैचुरल कहानी के साथ उनकी सहज केमिस्ट्री को। हाल ही में रिलीज़ हुई हेली शाह की नई तस्वीरों ने सोशल मीडिया पर फैंस के बीच उत्साह और बढ़ा दिया है। कैज़ुअल एथलीज़र लुक में नज़र आ रहीं हेली के चेहरे के इमोशनल एक्सप्रेशंस इस बात की ओर इशारा कर रहे हैं कि इस बार उनकी कहानी सीज़न में एक नया भावनात्मक पहलू जोड़ सकती है।

'ओमकारा' और 'कर्तव्य' की तुलना पर सैफ अली खान ने दी राय

सैफ अली खान नई फिल्म 'कर्तव्य' में नजर आएंगे, जो ओटीटी पर रिलीज होगी। उन्होंने अपनी नई फिल्म 'कर्तव्य' और पुरानी फिल्म 'ओमकारा' के किरदारों की तुलना पर अपनी राय दी है।

फिल्मों की तुलना पर सैफ की राय

जब सैफ से पूछा गया कि पवन सिंह (कर्तव्य) और लंगड़ा त्यागी (ओमकारा) के किरदारों में समानता है या नहीं, तो सैफ ने कहा, 'ओमकारा' की वजह से ही निर्देशक पुलकित को विश्वास हुआ कि वह पवन की भूमिका अच्छे से निभा सकते हैं।' सैफ ने आगे बताया कि 'ओमकारा' फिल्म के बाद लोग उन्हें एक गंभीर अभिनेता के रूप में मानने लगे।

यह मेरे लिए बहुत बड़ी बात है

मीडिया से बात करते हुए सैफ ने कहा, 'अगर कोई जुड़ाव है तो यह कि लोग सोचते हैं मैं शहर में बड़ा हुआ हूं और थोड़ी अंग्रेजी बोलता हूं। लेकिन पुलकित जैसे निर्देशक ने 'ओमकारा' देखी होगी, इसलिए उन्हें पता है कि मैं अलग-अलग तरह के किरदार निभा सकता हूं। यह मेरे लिए बहुत बड़ी बात है।' उन्होंने आगे कहा कि दोनों किरदारों में सिर्फ बोली की कुछ समानता हो सकती है।

दूसरों के बारे में बहुत जल्दी राय बना लेते हैं

सैफ ने आगे कहा, 'हम लोग दूसरों के बारे में बहुत जल्दी राय बना लेते हैं। लोग कहते हैं कि 'यह नहीं कर सकता' या 'वह नहीं कर पाएगा'। इसलिए 'ओमकारा' की वजह से लोग मुझे अब गंभीरता से लेते हैं, इसके लिए विशाल भारद्वाज को बहुत-बहुत धन्यवाद। पुलकित ने 'ओमकारा' देखी और सोचा कि मैं यह भूमिका कर सकता हूं। देसी लहजे को सीखना और समझना बहुत मजेदार है, मुझे इसमें बहुत आनंद आता है।'

कब रिलीज होगी 'कर्तव्य'

सैफ अली खान क्राइम थ्रिलर फिल्म 'कर्तव्य' में नजर आएंगे। यह फिल्म 15 मई 2026 को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। इस फिल्म को पुलकित ने निर्देशित किया है। इस फिल्म को शाहरुख खान की पत्नी गौरी खान ने प्रोड्यूस किया है।

हिमेश रेशमिया ने किया नए गाने का एलान, मानुषी छिल्लर के साथ दिखाई देंगे

हिमेश रेशमिया ने अपने फैंस को तोहफा दिया है। सिंगर ने अपने नए गाने का एलान किया है, जिसका टाइटल 'शराब' है। इस गाने में वे मानुषी छिल्लर के साथ दिखाई देंगे। सिंगर ने पोस्टर के साथ गाने का एलान किया है, जिसमें वे और मानुषी रोमांटिक अंदाज में नजर आ रहे हैं।

हमेश रेशमिया ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट साझा किया और अपने नए गाने को लेकर डिटेल दी हैं। उन्होंने पोस्ट शेयर किया है। इसमें वे और मानुषी रोमांस करते दिख रहे हैं। मानुषी काफी बोल्ड अंदाज में नजर आ रही हैं। इसके साथ कैप्शन लिखा है, 'जय माता दी, लेट्स रॉक। एक प्ले काफी नहीं होता'।

हिमेश रेशमिया की सिंगिंग के फैंस के बीच अलग ही क्रेज है। अब वे अपने नए गाने 'शराब' से फैंस को दीवाना बनाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इसका म्यूजिक वीडियो पीयूष-शाजिया ने कोरियोग्राफ किया है। गाने को हिमेश ने अपनी आवाज दी है, जबकि इसका म्यूजिक रजत नागपाल ने कंपोज किया है और इसके बोल राणा सोतल ने लिखे हैं।

म्यूजिक टूर को लेकर चर्चा में हिमेश

म्यूजिक प्रोड्यूसर अंशुल गर्ग के सपोर्ट से यह गाना जल्द ही रिलीज होगा। इस बीच, हिमेश रेशमिया पिछले कुछ महीनों से अपने पैन-इंडिया म्यूजिक टूर में व्यस्त रहे हैं और कई शहरों में परफॉर्म कर रहे हैं। 'तंदूरी नाइट्स' और 'हुक्का बार' जैसे लोगों के पसंदीदा गानों से लेकर 'लॉन्ग ड्राइव' और 'झलक दिखला जा' जैसे हिट गानों तक, उन्हें स्टेज पर अपने चार्टबस्टर्स गाते हुए देखा गया है। इससे कॉन्सर्ट में आने वालों के लिए एक जबर्दस्त और यादगार अनुभव बन गया है।

अभिषेक बच्चन ने नहीं ली 'राजा शिवाजी' के लिए कोई फीस

रितेश देशमुख की फिल्म 'राजा शिवाजी' सिनेमाघरों में लगी है। फिल्म को काफी तारीफें मिली हैं। बॉक्स ऑफिस पर भी यह अच्छा प्रदर्शन कर रही है। इस बीच ऐसी खबर आई कि फिल्म के लिए कुछ सितारों ने बिल्कुल फीस नहीं ली। इनमें अभिषेक बच्चन भी शामिल हैं, जिन्होंने फीस के तौर पर सिर्फ रितेश देशमुख की मां के हाथ के ठेंचा (एक किस्म की चटनी) की डिमांड की थी। अभिषेक बच्चन यह फिल्म बिना फीस के करने को राजी क्यों हुए?

क्यों माफ की अभिषेक बच्चन ने फीस

कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में ऐसा दावा किया गया था कि अभिषेक बच्चन ने कथित तौर पर फिल्म 'राजा शिवाजी' के लिए फीस चार्ज की थी। हाल ही में अभिषेक बच्चन ने ऐसी अफवाहों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ये दावे झूठे हैं। अभिनेता ने ऐसे वक्त में अपनी फीस को लेकर प्रतिक्रिया दी है, जब हाल ही में रितेश देशमुख ने कहा था कि फिल्म में गेस्ट अपीयरेंस देने वाले कई सितारों ने फीस नहीं ली। इनमें सलमान खान, विद्या बालन और अभिषेक शामिल हैं। सभी ने छत्रपति शिवाजी महाराज के प्रति अपनी श्रद्धा और रितेश के साथ अपनी पर्सनल बॉन्डिंग के चलते फीस माफ कर दी थी।

कला का रूप दिल से शुरू होता है

अभिषेक बच्चन ने भी अपनी फीस को लेकर बातचीत में कहा कि एक्टर्स किसी ऐसे विजन के लिए अपनी फीस कम करने या छोड़ने को तैयार रहते हैं, जिस पर उन्हें भरोसा हो। उन्होंने कहा, 'आज के जमाने में ऐसी बहुत सारी रील्स हैं, जिनमें लोग तथ्यों और आंकड़ों के बारे में बात करते हैं। एक्टर ने कहा, 'लोगों को यह बात करना पसंद है कि कोई एक्टर या एक्ट्रेस कितनी ज्यादा फीस ले रहा है और कितनी वैन की मांग कर रहा है, लेकिन असल में यह एक कला का रूप है जो दिल से शुरू होता है। अगर हमें किसी चीज पर भरोसा है, तो हमें अपनी फीस छोड़ने में कोई दिक्कत नहीं होती। यह कोई लेन-देन नहीं है। यह एक इमोशनल ट्रांजैक्शन है।

अभिषेक बच्चन ने की सिर्फ ठेचा की डिमांड

बता दें कि हाल ही में खुद रितेश देशमुख ने इसका खुलासा किया कि सलमान खान, अभिषेक बच्चन और विद्या बालन जैसे बड़े सितारों ने इस ऐतिहासिक फिल्म के लिए कोई फीस नहीं ली है। अभिषेक बच्चन ने तो फीस की जगह सिर्फ रितेश की मां के हाथ का बना हुआ ठेचा मांगा। रितेश ने कहा, 'जब मैंने अभिषेक बच्चन को कहानी सुनाई और बताया कि मैं इस फिल्म का निर्देशन कर रहा हूं। यह छत्रपति शिवाजी महाराज पर है तो उन्होंने कहा- 'मुझे पैसे नहीं चाहिए, मुझे बस तुम्हारी मां के हाथ का बना ठेचा चाहिए'।

समय-सीमा बैठक : पेट्रोल पंपों पर औद्योगिक बिक्री मिली तो होगी सख्त कार्रवाई

ई-ऑफिस अनिवार्य, तीन दिन में सभी को राशन देने के निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने सोमवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष में साप्ताहिक समय-सीमा बैठक में विभागीय कामकाज की समीक्षा की। उन्होंने योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और लंबित प्रकरणों के समयबद्ध निराकरण के निर्देश दिए।

पेट्रोल पंपों की सीसीटीवी जांच होगी

कलेक्टर ने जिला खाद्य अधिकारी को निर्देश दिया कि जिले के सभी रिटेल पेट्रोल पंपों से औद्योगिक उपयोग के लिए पेट्रोल-डीजल न बेचने की सूचना जारी करें। पेट्रोल पंपों में लगे सीसीटीवी कैमरों की नियमित जांच की जाए। फुटेज में औद्योगिक कार्यों या अवैध बिक्री मिलने पर संचालकों पर सख्त कार्रवाई होगी।

ई-ऑफिस और सुशासन तिहार

कलेक्टर ने सभी विभागों में ई-ऑफिस से काम अनिवार्य करने को कहा। इससे पारदर्शिता और गति आएगी। सुशासन तिहार 2026 के शिविरों में मिले आवेदनों का विभाग प्रमुख खुद मॉनिटरिंग करें। गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निराकरण हो। निराकरण में कोई शिकायत नहीं मिलनी चाहिए।

तीन दिन में राशन वितरण पूरा करें

जिला खाद्य अधिकारी को तीन दिन में शेष हितग्राहियों को तीन माह का राशन बांटने के निर्देश दिए। खाद्य दुकानों और प्रतिष्ठानों की नियमित जांच हो। मिलावटी या एक्सपायरी सामान मिलने पर तत्काल कार्रवाई की जाए। पेयजल सप्लाई और बर्फ फैक्ट्रियों की लगातार जांच करने को कहा।

जमीन अधिग्रहण का मुआवजा प्राथमिकता से दें। पीएम-आशा योजना में पंजीकृत किसानों से शत-प्रतिशत दलहन-तिलहन खरीदी हो। ग्रीष्मकालीन फसल के लिए बाजार और खाद-बीज का भंडारण रखें। राजस्व प्रकरण एक माह में

निपटाएं। बारिश से पहले नालों की सफाई कराएं। पीएम आवास, सड़क योजना और स्कूल-आंगनबाड़ी भवनों का काम गुणवत्ता के साथ पूरा करें। संस्थागत प्रसव बढ़ाएं और अस्पतालों में भोजन की गुणवत्ता रखें। पीएम सूर्यघर योजना के लिए जागरूकता शिविर लगाएं। बैठक में जिला पंचायत सीईओ सुरूचि सिंह, अपर कलेक्टर सीएल मारकण्डेय, अपर कलेक्टर प्रेम प्रकाश शर्मा, नगर निगम आयुक्त अतुल विश्वकर्मा सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

खास खबर

राजाराम मेझ प्रोडक्ट के टाइम कीपर तेजराम पटेल सेवानिवृत्त, सहकर्मियों ने दी भावभीनी विदाई

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

ग्राम भोथीपार खुर्द स्थित राजाराम मेझ प्रोडक्ट में टाइम कीपर के पद पर कार्यरत तेजराम पटेल के सेवानिवृत्त होने पर सहकर्मियों ने धूमधाम से विदाई समारोह आयोजित किया। कार्यक्रम में साथियों ने उन्हें शॉल, श्रीफल और प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

40 साल की निष्ठापूर्ण सेवा : राष्ट्रीय ग्लूकोज स्टार्च केमिकल मजदूर संघ के अध्यक्ष योगेन्द्र दास वैष्णव ने बताया कि तेजराम पटेल ने 40 वर्षों के लंबे कायर्काल में बोरा सिलाई, स्टोर, डीएम, माल्टो, गैस गोदाम और टाइम कीपर जैसे विभिन्न विभागों में पूरी निष्ठा से सेवाएं दीं। योगेन्द्र दास वैष्णव ने कहा कि सभी विभागों में काम के दौरान तेजराम पटेल का व्यवहार कमर्चारियों के प्रति हमेशा कुशल और मधुर रहा। अपनी ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और सरल स्वभाव के कारण वे सभी कमर्चारियों के बीच बेहद लोकप्रिय रहे।

समारोह में मौजूद कमर्चारियों और साथियों ने तेजराम पटेल के उज्ज्वल भविष्य, स्वस्थ जीवन और दीर्घायु की कामना करते हुए भावभीनी विदाई दी। इस मौके पर भगवती बंछोर, स्वामी नाथ यादव, उदय कुमार दास वैष्णव, अब्दुल नईम शेख, दिलीप विश्वकर्मा, मूलचंद साहू, सालिक साहू, सतीश कोसरे सहित बड़ी संख्या में श्रमिकगण उपस्थित रहे।

वैष्णव समाज के मेधावी छात्र-छात्राएं सम्मानित

दसवीं बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले वैष्णव समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को श्री वैष्णव महासभा राजनांदगांव ने सम्मानित किया। कार्यक्रम में मेधावी विद्यार्थियों को सम्मान पत्र देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी गई। श्री वैष्णव महासभा के रेवती रमण वैष्णव की सुपुत्री कु. रितिका वैष्णव ने 92.3% अंक प्राप्त किए। कोषाध्यक्ष राजकुमार वैष्णव के सुपुत्र गगन वैष्णव ने 86% अंक अर्जित किए।

वहीं ग्राम गोडी, रायपुर से वैष्णव समाज की जुड़वां बहनों ने शानदार प्रदर्शन किया। श्रेया वैष्णव ने 95.6% और सौम्या वैष्णव ने 83% अंक लाकर समाज का नाम रोशन किया। सम्मान समारोह में पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष सुरेन्द्र दाऊ, पूर्व जनपद अध्यक्ष छुरिया रविन्द्र वैष्णव, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती किरण वैष्णव, जिलाध्यक्ष संतोष वैष्णव, जिला सचिव संदीप वैष्णव, जिला कोषाध्यक्ष राजकुमार वैष्णव, जिला संरक्षक महेंद्र वैष्णव, कमलेश वैष्णव, पूर्व जनपद सदस्य योगेंद्र वैष्णव, पूर्व जनपद सदस्य रोशनी वैष्णव, जनपद सदस्य साकेत वैष्णव, जनपद सदस्य सुश्री प्रीति वैष्णव, शौर्य वैष्णव और डालेश्वर वैष्णव मौजूद रहे।

नाबालिग से दुष्कर्म के प्रयास में 50 वर्षीय आरोपी को डोंगरगढ़ पुलिस ने किया गिरफ्तार

पुलिस ने पॉक्सो एक्ट में भेजा जेल, स्कूल ले जाकर की थी हरकत

नई दृष्टिबिंदु / डोंगरगढ़

डोंगरगढ़ थाना पुलिस ने नाबालिग बच्ची से दुष्कर्म के प्रयास के मामले में 50 वर्षीय आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोपी के खिलाफ बीएनएस और पॉक्सो एक्ट की गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया गया है।

खाने का लालच देकर स्कूल ले गया था आरोपी

पुलिस के अनुसार, प्रार्थी ने थाना पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई कि 11 मई 2026 को आरोपी सरज पटेल निवासी ग्राम बधियाटोला ने उनकी नाबालिग बेटी को खाने का लालच देकर गांव के स्कूल ले गया। वहां आरोपी ने बच्ची के साथ अश्लील हरकत करते हुए गलत काम करने का प्रयास किया।

तत्काल कार्रवाई कर भेजा जेल

रिपोर्ट पर थाना डोंगरगढ़ में अपराध क्रमांक 254/2026 धारा 137(2), 64(2)( ), 65(1), 126 बीएनएस एवं धारा 4, 6 पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर के मार्गदर्शन में पुलिस ने तत्काल कार्रवाई की।

अनुविभागीय अधिकारी पुलिस केसरी नंदन नायक के पयर्वेक्षण में आरोपी सरज पटेल पिता पिरमू पटेल, उम्र 50 साल, निवासी ग्राम बधियाटोला डोंगरगढ़ को 12 मई 2026 को गिरफ्तार किया गया। आरोपी को न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। पुलिस मामले की आगे विवेचना कर रही है।

चिचोला पुलिस ने पकड़ी अवैध शराब, दो आरोपी गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव-चिचोला

नशा उन्मूलन अभियान के तहत चिचोला पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने अवैध रूप से शराब बिक्री के लिए परिवहन कर रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से 100 पौवा देशी शोले शराब और एक मोटरसाइकिल जब्त की गई है।

नाकेबंदी कर पकड़े आरोपी : पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा के निर्देश पर चलाए जा रहे अवैध शराब रोकथाम अभियान के तहत 12 मई को चौकी प्रभारी निरीक्षक योगेश पटेल को मुखबिर से सूचना मिली। दो व्यक्ति लालबहादुर नगर से भरकाटोला की ओर मोटरसाइकिल से अवैध शराब ले जा रहे थे।

सूचना पर पुलिस ने भरकाटोला के पास नाकेबंदी की। मोटरसाइकिल क्रमांक CG08N2144 को रोककर पूछताछ की गई। चालक ने अपना नाम गजेन्द्र वर्मा पिता चैतराम वर्मा, उम्र 43 वर्ष, निवासी ग्राम तेलीटोला चिचोला और पीछे बैठे व्यक्ति ने नाम समीर मानिकपुरी पिता शिवेन्द्र मानिकपुरी, उम्र 19 साल, निवासी ग्राम रेंगाकठेरा थाना डोंगरगढ़ बताया।

थैले में मिली 18 लीटर शराब : तलाशी में उनके पास रखे नीले रंग के तारा पान मसाला के थैले से 100 पौवा देशी शोले शराब बरामद हुई। कुल मात्रा 18.000 बल्क लीटर, कीमत 14,400 रुपये आंकी गई है। शराब के संबंध में वैध दस्तावेज नहीं मिलने पर पुलिस ने शराब और घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल जब्त कर ली।

दोनों को भेजा गया जेल : आरोपियों के खिलाफ थाना चिचोला में अपराध क्रमांक 94/2026 धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया। दोनों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। इस कार्रवाई में चौकी प्रभारी योगेश पटेल, सउनि बिरेन्द्र नाविक, प्रआर 704, प्रआर 727, आरक्षक 91, 1342, 1843 का सराहनीय योगदान रहा।

खरीफ फसल से पहले किसानों ने उठाया 2843 मीट्रिक टन खाद

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

खरीफ सीजन की तैयारी के बीच जिले के 8555 किसानों ने सेवा सहकारी समितियों से 2843 मीट्रिक टन खाद का उठाव किया है। किसान अब परंपरागत यूरिया-डीएपी के बजाय मिश्रित उर्वरक और नैनो यूरिया-डीएपी की ओर रुख कर रहे हैं।

68,690 मीट्रिक टन का लक्ष्य, 40,670 मीट्रिक टन उपलब्ध

उप संचालक कृषि टीकम सिंह ठाकुर ने बताया कि इस खरीफ में धान सहित दलहन-तिलहन फसलों के लिए 68,690 मीट्रिक टन खाद का लक्ष्य रखा गया है। जिले में सहकारी और निजी क्षेत्र में कुल 40,670 मीट्रिक टन खाद उपलब्ध है। इसमें 16,190 मीट्रिक टन यूरिया, 4195 मीट्रिक टन डीएपी, 10,242 मीट्रिक टन एनपीके, 3447 मीट्रिक टन एमओपी और 6596 मीट्रिक टन सिंगल सुपर फास्फेट शामिल है। यह पिछले साल की इसी अवधि से 82 प्रतिशत अधिक है।

मिश्रित खाद को मिल रही तरजीह

कृषि विभाग समितियों में पोस्टर-पॉम्पलेट के जरिए किसानों को जागरूक कर रहा है। किसानों को सलाह दी जा रही है कि 1 एकड़ धान के लिए डीएपी की जगह दो बोरी एनपीके खाद जैसे 12:32:16, 20:20:0:13, 16:16:16, 24:24:0 और 28:28:0 का उपयोग करें। इससे यूरिया की खपत कम होगी।

किसानों को बांटे गए ये उर्वरक

अब तक 1174 मीट्रिक टन यूरिया, 324 मीट्रिक टन डीएपी, 715 मीट्रिक टन एनपीके, 211 मीट्रिक टन एमओपी और 419 मीट्रिक टन सिंगल सुपर फास्फेट किसानों को वितरित किया जा चुका है।

डोंगरगांव के खुर्सीपार समिति के किसान मेहरूराम पटेल और मडियान के टुमेश साहू ने बताया कि इस बार उन्होंने अलग-अलग यूरिया, डीएपी, एमओपी लेने के बजाय मिश्रित खाद उठाया है। इससे पोषक तत्व पर्याप्त मात्रा में मिल जाते हैं और बुवाई आसान होती है। घुपसाल के किसान हेमलाल ने कहा कि वे 20:20:0:13 जैसे वैकल्पिक खाद ले रहे हैं, जिससे नाइट्रोजन और फास्फोरस संतुलित मात्रा में मिल जाता है।

कालाबाजारी रोकने के निर्देश

उप संचालक कृषि ने सभी समितियों और निजी विक्रेताओं से कहा कि किसानों को खाद उठाव में दिक्कत न हो। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय की अनुशंसा के अनुसार पॉश मशीन से नियमानुसार वितरण करें ताकि कालाबाजारी रोकी जा सके।

ज्ञानेश्वरी यादव ने एशियाई वेटलिफ्टिंग में जीते सिल्वर-कांस्य पदक

53 किलो वर्ग में कुल 194 किलो वजन उठाया, छत्तीसगढ़ का बढ़ाया मान

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का क्षण आया है। जिले की प्रतिभाशाली वेटलिफ्टर ज्ञानेश्वरी यादव ने सीनियर एशियाई वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए सिल्वर और कांस्य पदक अपने नाम किए हैं।

194 किलो का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

ज्ञानेश्वरी ने 53 किलोग्राम भार वर्ग में हिस्सा लिया। उन्होंने स्नैच में 88 किलोग्राम और क्लीन एंड जर्क में 106 किलोग्राम वजन उठाया। इस तरह कुल 194 किलोग्राम के साथ अपना

सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर प्रदेश और देश का नाम रोशन किया।

जिला प्रशासन ने दी बधाई

ज्ञानेश्वरी की इस उपलब्धि पर जिला प्रशासन, कोच अजय लोहार विश्वकर्मा, स्टेडियम समिति, जिला भारोत्तोलन संघ के संरक्षक अजय श्रीवास्तव, अध्यक्ष अमित आजमानी, संघ के सभी पदाधिकारियों, जय भवानी व्यायाम शाला और खेल प्रेमियों ने हार्दिक बधाई दी है। सभी ने उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

दलहन-तिलहन खरीदी में 428 किसानों को 1.86 करोड़ का भुगतान

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

भारत सरकार की प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम-आशा) योजना के तहत जिले में दलहन-तिलहन फसलों की समर्थन मूल्य पर खरीदी जारी है। अब तक 428 किसानों के बैंक खातों में 1.86 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। शेष राशि के भुगतान की प्रक्रिया जारी है।

10717 क्विंटल चना, 7350 क्विंटल सोयाबीन की खरीदी

उप संचालक कृषि टीकम सिंह ठाकुर ने बताया कि जिले में 15 प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों के उपार्जन केंद्रों और एफपीओ स्वर्ण

पीएम-आशा योजना : 31 मई तक कर सकते हैं उपज विक्रय, 15 उपार्जन केंद्रों पर जारी खरीदी

उपज महिला किसान उत्पादक कंपनी लिमिटेड सुकुलदैहान द्वारा खरीदी की जा रही है। अब तक चना के 8942 हेक्टेयर रकबे से 10,717.50 क्विंटल, मसूर के 2238 हेक्टेयर से 1510 क्विंटल, सरसों के 830 हेक्टेयर से 490 क्विंटल, अरहर के 127 हेक्टेयर से 413 क्विंटल और सोयाबीन के 399 हेक्टेयर रकबे से 7350 क्विंटल उपज की खरीदी हो चुकी है।

समर्थन मूल्य की दरें

राज्य सरकार नाफेड के माध्यम से खरीदी कर रही है। समर्थन मूल्य सोयाबीन के लिए 5328 रुपये, अरहर के लिए 8000 रुपये, चना के लिए 5875 रुपये, मसूर के लिए 7000 रुपये और सरसों के लिए 6200 रुपये प्रति क्विंटल तय है।

31 मई अंतिम तिथि

उप संचालक कृषि ने अपील की है कि जिन किसानों ने अब तक दलहन-तिलहन नहीं बेचा है, वे 31 मई 2026 तक अपने नजदीकी उपार्जन केंद्र में जाकर योजना का लाभ लें और उपज का उचित मूल्य प्राप्त करें।

कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने ली समय-सीमा की बैठक, पेट्रोल पंपों की सीसीटीवी जांच के दिए निर्देश

ई-ऑफिस अनिवार्य, तीन दिन में राशन वितरण पूरा करने को कहा

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने सोमवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष में साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक लेकर विभागीय कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने शासन की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और लंबित प्रकरणों के समयबद्ध निराकरण के निर्देश दिए।

पेट्रोल पंपों पर सख्ती के निर्देश

कलेक्टर ने जिला खाद्य अधिकारी को सभी रिटेल पेट्रोल पंपों से औद्योगिक उपयोग के लिए पेट्रोल-डीजल नहीं बेचने की सूचना जारी करने को कहा। पेट्रोल पंपों में लगे सीसीटीवी कैमरों की नियमित जांच और उन्हें दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। फुटेज में औद्योगिक उपयोग या अवैध विक्रय पाए जाने पर संचालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

ई-ऑफिस से होगा अब पत्राचार

कलेक्टर ने सभी विभागों में ई-ऑफिस प्रणाली से

काम करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्यालयीन पत्राचार अब अनिवार्य रूप से ई-ऑफिस से होगा ताकि काम में पारदशिर्ता और गति आए। इसकी लगातार मॉनिटरिंग की जाएगी।

तीन दिन में बांटें पूरा राशन

जिला खाद्य अधिकारी को तीन दिन में शेष हितग्राहियों को तीन माह का राशन वितरण पूरा करने को कहा गया। खाद्य दुकानों की नियमित जांच के निर्देश देते हुए कहा कि मिलावटी या एक्सपायरी सामग्री मिलने पर तत्काल कार्रवाई करें। पेयजल सप्लाई और बर्फ फैक्ट्रियों की भी लगातार जांच होगी।

सुशासन तिहार के आवेदनों का समय पर निराकरण करें

कलेक्टर ने कहा कि सुशासन तिहार 2026 के तहत जनसमस्या निवारण शिविरों में मिले आवेदनों की विभाग प्रमुख खुद मॉनिटरिंग करें। शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करें। निराकरण में कोई शिकायत नहीं आनी चाहिए।

कलेक्टर ने दिए अन्य निर्देश

राजस्व प्रकरण: लंबित राजस्व प्रकरण एक माह में निपटाएं। ग्राम पंचायतों के प्रकरणों की जनपद सीईओ नियमित मॉनिटरिंग करें।

निर्माण कार्य: पीएम आवास, पीएम ग्राम सड़क योजना, स्कूल और आंगनबाड़ी भवनों का काम बारिश से पहले पूरा करें।

स्वास्थ्य: संस्थागत प्रसव बढ़ाएं, सीएचसी में बेहतर सुविधाएं दें, मरीजों के भोजन की गुणवत्ता रखें।

अग्निवीर भर्ती: 2700 युवाओं के पंजीयन पर जरूरी मार्गदर्शन उपलब्ध कराएं।

सोलर योजना: प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के लिए जागरूकता शिविर लगाएं।

जलभराव रोकें: बारिश से पहले नगरीय निकाय नालों की सफाई पूरी करें।

बैठक में जिला पंचायत सीईओ सुश्री सुरूचि सिंह, अपर कलेक्टर सीएल मारकण्डेय, प्रेम प्रकाश शर्मा, नगर निगम आयुक्त अतुल विश्वकर्मा समेत जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद थे।

भिलाई की एकता वर्मा बनीं मिसेज इंडिया यूनिवर्स 2026

गोवा में लहराया परचम, कई राष्ट्रीय खिताब कर चुकी हैं अपने नाम

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

इस्पात नगरी भिलाई की मिसेज एकता वर्मा को मिसेज इंडिया यूनिवर्स 2026 का विजेता घोषित किया गया है। एसएस फाउंडेशन द्वारा गोवा में आयोजित पेजेंट फैशन शो "मिसेज या मिस इंडिया इंटरनेशनल 2026 (सीजन-5)" में एकता वर्मा ने यह खिताब अपने नाम किया। दो दिन तक चले इस शो में देशभर से कई प्रतिभाशाली प्रतिभागी शामिल हुए थे।

शिक्षा और परिवार

सेक्टर-10 निवासी एकता वर्मा की प्रारंभिक शिक्षा इंग्लिश मीडियम से हुई है। इंग्लिश, हिंदी और स्थानीय भाषा पर उनकी अच्छी पकड़ है। उन्होंने मास्टर डिग्री तक उच्च शिक्षा प्राप्त की है। पिता एससी वर्मा का अपना कारोबार है, जबकि माता लीला वर्मा नवरत्न कंपनी में सेवारत हैं।

मल्टी टैलेंटेड एकता

मिसेज वर्मा मॉडल होने के साथ-साथ टीचर और इन्फ्लुएंसर भी हैं। विगत 2 वर्षों से मॉडलिंग क्षेत्र में सक्रिय एकता को रनवे और पेजेंट शो में कई पुरस्कार मिल चुके हैं।

पहले भी जीत चुकी हैं कई खिताब

एकता ने फैशन फेस्टिवल 2025 (सीजन-1) में प्रथम रनर-अप, दिवा ऑफ छत्तीसगढ़ 2025 में विजेता, डांस कॉम्पिटिशन 2025 में विजेता, सीजी फेम फैशन वीक 2025 में फैशन ब्यूटी आइकॉन 2025 और यूके ग्लैमरस किंग एंड क्वीन ऑफ सीजी 2025 में विजेता का खिताब हासिल किया है।

सपने बड़े हैं : एकता वर्मा

मध्यम वर्गीय परिवार से आने वाली एकता वर्मा ने कहा कि उनके सपने बहुत हैं और वे खुद को स्टार के रूप में देखना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि उनकी तरक्की के पीछे माता-पिता और सभी सहयोगियों का प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष सहयोग है।

मिसेज इंडिया यूनिवर्स बनने के बाद एकता को बधाई देने वालों का तांता लगा है। प्रशंसक और शुभचिंतक घर पहुंचकर और फोन के माध्यम से बधाई संदेश दे रहे हैं।

16 मई तक रात में भारी वाहनों की एंट्री बंद

दुर्ग। पुराना बस स्टैंड स्थित मजार में 13 मई से 16 मई 2026 तक आयोजित होने वाले उर्स के मद्देनजर दुर्ग यातायात पुलिस ने विशेष यातायात एवं सुरक्षा व्यवस्था लागू की है। आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं और आम नागरिकों की सुविधा तथा सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए शहर के कई मार्गों पर यातायात परिवर्तित किया गया है। साथ ही रात्रिकालीन अवधि में भारी वाहनों के शहर में प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया गया है।

यातायात पुलिस द्वारा जारी व्यवस्था के अनुसार पटेल चौक से इंदिरा मार्केट की ओर सभी प्रकार के वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। वहीं फरिश्ता कॉम्प्लेक्स से पटेल चौक की ओर वाहनों का आवागमन भी बंद रहेगा। उर्स आयोजन के दौरान शहर के प्रमुख चौक-चौराहों और संवेदनशील मार्गों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया जाएगा, ताकि यातायात व्यवस्था सुचारू बनी रहे। आयोजन में शामिल होने आने वाले लोगों के लिए अलग-अलग दिशाओं से आने वाले वाहनों हेतु पृथक पार्किंग व्यवस्था भी निर्धारित की गई है। भिलाई एवं पावर हाउस की ओर से आने वाले वाहनों के लिए बस स्टैंड पार्किंग स्थल तय किया गया है। रिसाली की ओर से आने वाले वाहनों को झाडूराम देवांगन स्कूल परिसर में पार्किंग की सुविधा मिलेगी। वहीं गंजपारा, पुलगांव और राजनांदगांव की ओर से आने वाले वाहन चालकों के लिए गंज मंडी गंजपारा एवं पुलिस लाइन दुर्ग में पार्किंग की व्यवस्था की गई है।

छग प्रदेश महिला कांग्रेस की नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष ने अलका लांबा से की मुलाकात

महिला सशक्तिकरण और संगठन विस्तार पर हुई विस्तृत चर्चा

नई दृष्टिबिंदु / नईदिल्ली

छत्तीसगढ़ प्रदेश महिला कांग्रेस की नवनियुक्त अध्यक्ष एवं संजारी बालोद की विधायक संगीता सिंहा ने मंगलवार को नई दिल्ली में अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की अध्यक्ष एवं उहउ सदस्य अलका लांबा से आत्मीय मुलाकात की।

संगठन और महिला सशक्तिकरण पर चर्चा

इस दौरान सामाजिक एवं राजनीतिक विषयों के साथ महिला सशक्तिकरण से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा से विस्तृत एवं सार्थक चर्चा हुई। बैठक में छत्तीसगढ़ में महिला कांग्रेस संगठन को मजबूत करने और जमीनी स्तर तक महिलाओं को जोड़ने की रणनीति पर भी बात हुई।

नियुक्ति पर जताया आभार

छत्तीसगढ़ प्रदेश महिला कांग्रेस की कार्यवाहक अध्यक्ष ने नियुक्ति के लिए राष्ट्रीय नेतृत्व का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि संगठन द्वारा दी गई जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा से निभाएंगी और प्रदेश में महिलाओं के मुद्दों को प्रमुखता से उठाएंगी।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने मृतकों के परिजनों को सौंपे 4-4 लाख के चेक

आकाशीय बिजली से सोमनी में हुई थी दो लोगों की मौत, सुशासन तिहार शिविर में दी राहत

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

सुशासन तिहार 2026 के तहत ग्राम पंचायत मुड़पार में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने आकाशीय बिजली गिरने से मृत दो लोगों के परिजनों को 4-4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि के चेक प्रदान किए।

आरबीसी 6-4 के तहत मिली सहायता : डॉ. रमन सिंह ने राजस्व पुस्तक परिपत्र (आरबीसी) 6-4 के तहत ग्राम सोमनी निवासी मृतकों के परिजन श्रीमती सरोज निषाद और श्री ईश्वरदास को स्वीकृत सहायता राशि के चेक सौंपे। विगत दिनों आकाशीय बिजली गिरने से दोनों नागरिकों की मृत्यु हो गई थी।

प्राकृतिक आपदा में त्वरित राहत शासन की प्राथमिकता : विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित परिवारों को तत्काल राहत देना शासन की प्राथमिकता है। जिला प्रशासन ने जरूरी प्रक्रिया पूरी कर तुरंत सहायता राशि स्वीकृत की, ताकि पीड़ित परिवारों को राहत मिल सके।

इस दौरान जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती किरण साहू, जनपद पंचायत राजनांदगांव अध्यक्ष श्रीमती प्रतिमा चंद्राकर, संतोष अग्रवाल, सौरभ कोठारी, रोहित चंद्राकर, सुमीत उपाध्याय, भावेश बैद, पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा, डीएफओ आयुष जैन, जिला पंचायत सीईओ सुश्री सुरूचि सिंह, अपर कलेक्टर सीएल मारकण्डेय समेत सरपंच, जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

दुर्ग पुलिस ने अंतरराज्यीय अफीम तस्कर गिरोह का किया भंडाफोड़

झारखंड से दो गिरफ्तार , 15 लाख की अफीम जब्त, मोबाइल कॉल डिटेल से खुला बड़ा नेटवर्क

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग पुलिस ने नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए अंतरराज्यीय अफीम तस्करी नेटवर्क के दो तस्करों को झारखंड के गुमला जिले से गिरफ्तार किया है। थाना कुम्हारी पुलिस ने आरोपियों के पास से करीब 15 लाख रुपये कीमत की अफीम, मोबाइल और 8000 रुपये नकद बरामद किए हैं।

मुखबिर की सूचना पर हुई कार्रवाई

कुम्हारी थाना क्षेत्र में मुखबिर से अवैध अफीम की खरीद-बिक्री की सूचना मिली थी। पुलिस ने तत्काल टीम गठित कर कार्रवाई शुरू की। जांच में आरोपी राजकेश्वर साहू से पूछताछ और तकनीकी साक्ष्य जुटाए गए। मोबाइल कॉल डिटेल और आपसी संपर्क के विश्लेषण से पता चला कि आरोपी झारखंड से अफीम लाकर दुर्ग में बेचते थे।

एंड-टू-एंड जांच में सामने आया पूरा नेटवर्क

एंड-टू-एंड विवेचना के बाद पुलिस ने सुरेंद्र साहू उर्फ सुंदर साहू (32), निवासी ग्राम लांजी हुडराटोली और राजकेश्वर साहू (32), निवासी ग्राम लांजी चौकी, दोनों थाना गुमला, जिला गुमला झारखंड को गिरफ्तार किया। दोनों आरोपी अवैध आर्थिक लाभ के लिए अफीम की तस्करी कर रहे थे।

पुलिस ने अपराध क्रमांक 89/2026 धारा 18(ख), 27(क), 29 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश कर दिया गया है। घटनास्थल कुम्हारी एवं बीएसपी कॉलोनी क्षेत्र बताया गया है।

अन्य आरोपियों की तलाश जारी

पुलिस का कहना है कि नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश जारी है। इस कार्रवाई में थाना कुम्हारी पुलिस टीम और तकनीकी विश्लेषण टीम की अहम भूमिका रही।

दुर्ग पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि मादक पदार्थों के अवैध कारोबार की जानकारी तुरंत पुलिस को दें। पुलिस ने कहा कि नशे के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

राज्य पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में फिटनेस किंग जिम का दबदबा, तीन स्वर्ण, दो रजत पदक जीते

बलजीत सिंह को दो गोल्ड

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

पावरलिफ्टिंग एसोसिएशन ऑफ छत्तीसगढ़ द्वारा सक्ती जिले में 9-10 मई को आयोजित राज्य स्तरीय पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में फिटनेस किंग जिम, भिलाई के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। जिम के खिलाड़ियों ने तीन स्वर्ण और दो रजत पदक जीतकर जिले का नाम रोशन किया।

सब जूनियर वर्ग में बलजीत सिंह ने बेंचप्रेस और डेडलिफ्ट दोनों स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक हासिल किए। मास्टर वर्ग बेंचप्रेस में कोच धमर्वीर सिंह ने गोल्ड जीतकर स्ट्रांग मैन का खिताब अपने नाम किया।

लक्ष्मी और शोभम को रजत

सीनियर वर्ग बेंचप्रेस में लक्ष्मी देवी ने रजत पदक जीता। वहीं शोभम घोष ने भी रजत पदक पर कब्जा जमाया।

कोच धमर्वीर सिंह खुद देते हैं 3 घंटे की ट्रेनिंग

सभी खिलाड़ी कई महीनों से फिटनेस किंग जिम में कोच धमर्वीर सिंह के नेतृत्व में अभ्यास कर रहे हैं। धमर्वीर सिंह खुद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई बार स्वर्ण पदक जीत चुके हैं। वे खिलाड़ियों को रोज 3 घंटे का कड़ा अभ्यास कराते हैं।

कोच धमर्वीर सिंह ने उम्मीद जताई कि उनके खिलाड़ी भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन कर प्रदेश व देश का नाम रोशन करेंगे। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर डॉ. दर्शन सिंह और फतेहवीर सिंह ने खुशी जताई और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100